साध्य दैनिक

नई दृष्टिबिंदु

सच की शक्ति, जनता की दृष्टि

PRGI Reg No - CTHIN/25/A3746

सु-विचार

हमारी समस्या का समाधान सिर्फ हमारे पास है,
दूसरों के पास तो केवल ।>ko होता है!
गौतम बुद्ध

वर्ष-01 अंक-78 | संपादक आलोक तिवारी | दुर्ग, बुधवार 08 अप्रैल 2026 | पृष्ठ 08 | मूल्य -2 रुपए

राजदूत बार' के लाइसेंस पर गहराया विवाद; आबकारी विभाग पर संरक्षण देने का आरोप

राजस्व विभाग की सीमांकन रिपोर्ट और शिकायतकर्ता के दस्तावेजो को किया जा रहा है दरकिनार, बढ रही नाराजगी

नरेंद्र डाकलिया / *राजनांदगांव*

राजनांदगांव। शहर के जी.ई. रोड स्थित 'राजदूत बार' को वर्ष 2026-27 के लिए लाइसेंस जारी किए जाने की प्रक्रिया गंभीर प्रशासनिक अनियमितताओं के घेरे में आ गई है। राजस्व विभाग की सीमांकन रिपोर्ट और शिकायतकर्ता अभय कोटडिया द्वारा प्रस्तुत दस्तावेजों ने आबकारी विभाग की कार्यप्रणाली पर बड़े सवाल खड़े कर दिए हैं।

0.0167 हेक्टेयर अतिरिक्त भूमि पर अवैध कब्जा

राजस्व निरीक्षक (RI) लखोली द्वारा 23 जनवरी 2025 को प्रस्तुत सीमांकन प्रतिवेदन के अनुसार, बार संचालिका दीपा बग्गा के नाम पर खसरा नंबर 274/5 में केवल 0.0490 हेक्टेयर भूमि दर्ज है। लेकिन, मौके पर बार का निर्माण खसरा नंबर 274 के कुल 0.0657 हेक्टेयर भाग पर पाया गया है। स्पष्ट है कि बार प्रबंधन द्वारा 0.0167 हेक्टेयर (लगभग 1800 वगर्फीट) अतिरिक्त भूमि पर अवैध रूप से कब्जा कर पक्का निर्माण किया गया है, जो कि पड़ोसी भूमिस्वामी की जमीन का हिस्सा है। बताया गया हैं कि नियमों की धज्जियां उड़ाई गयी - नगर निगम से अनुमोदित नक्शा न होना आबकारी विभाग के नियमों के अनुसार, किसी भी बार लाइसेंस के लिए भवन का नगर निगम से अनुमोदित (Approved) नक्शा अनिवार्य है। शिकायतकर्ता का आरोप है किः सहायक आयुक्त आबकारी ने आवेदक से नगर निगम का अनुमोदित नक्शा लिए बिना ही लाइसेंस प्रक्रिया को आगे बढ़ाया।

बार परिसर के कमरे, बाथरूम, लैट्रिन, स्टॉक रूम और किचन का निर्माण नगर निगम से स्वीकृत मापदण्ड के अनुरुप नहीं है। सभी कमरों में शुद्ध पीने के पानी की व्यवस्था का उपयुक्त प्राधिकारी का प्रमाण पत्र नहीं प्रस्तुत किया गया।

स्वयं सहायक आयुक्त कार्यालय के पत्राचारों में यह संकेत मिलता है कि निर्धारित क्षेत्र "आपत्ति रहित" नहीं है।

जर्जर ढांचा और 'टेंप्रेरी पार्टीशन' का खेल मौके की स्थिति यह है कि भवन की दीवारें और छत जर्जर अवस्था में हैं। अतिक्रमण को छिपाने के लिए रंग-रोगन कर प्रशासन की आंखों में धूल झोंकते हुए वहां टेंप्रेरी पार्टीशन (अस्थाई विभाजन) किया गया है। निर्माण में कॉलम और बीम को स्थायी रूप से नहीं ढाला गया है, जो सुरक्षा की दृष्टि से भी खतरनाक है। आबकारी लाइसेंस के लिये आनिवार्य शर्तो में स्पष्ट है कि टेम्प्रेरी दीवाल से लाइसेंस नहीं दिया जा सकता है। लेकिन नोटामाइसीन के इंजेक्शन लगाने से सबका स्वास्थ्य ठीक ठाक काम करने लगा। अधिकारियों की लाइसेंस नवीनीकरण में 'संदेहास्पद तत्परता' दिखलाई पड़ती हैं। दस्तावेजों से भी यह स्पष्ट है कि उपायुक्त (राजस्व) दुर्ग संभाग ने भी अपनी रिपोर्ट (7 अगस्त 2025) में स्वीकार किया था कि बार संचालन के लिए निर्धारित क्षेत्र "आपत्ति रहित" नहीं है। इसके बावजूद, राजनांदगांव आबकारी विभाग ने इस विवादित स्थल पर लाइसेंस देने में जो तत्परता दिखाई है, वह किसी बड़े भ्रष्टाचार या मिलीभगत की ओर इशारा करती है। आर्थिक अपराध ब्यूरो और इन्फोसर्मेंट निर्देशालय को इस बाबत जानकारी उपलब्ध कराया जा रहा हैं कि नियम विरुद्ध स्थानीय स्तर पर लायसेंस दिये जाने की ही ग़लत प्रक्रिया अपनाई गई हैं। रायपुर में आबकारी विभाग कि श्रीमती आर संगीता और आशीष श्रीवास्तव ने स्पष्ट कहां कि विवादित जगह पर लाइसेंस नहीं दिया जाना आबकारी गाइड लाइन में स्पष्ट हैं।

शिकायत कर्ता अभय कोटडिया ने संपूर्ण दस्तावेजों को शिकायत के साथ प्रस्तुत किया जिसमें -मुख्य बिंदुः अतिक्रमणः 0.0167 हेक्टेयर निजी भूमि पर जबरन कब्जा। अवैध निर्माणः नगर निगम से बिना किसी एप्रुवल के बार, किचन और स्टॉक रूम का संचालन।

सुरक्षा चूकः जर्जर भवन और बिना स्थायी कॉलम-बीम के एक लम्बी दिवाली खींच कर पार्टिशन बताना यह भी गाइड लाइन का उल्लंघन हैं।

शिकायतकर्ता अभय कोटडिया ने इस संबंध में मुख्यमंत्री सचिवालय, आबकारी आयुक्त और सहित 10 से अधिक विभागों को पत्र लिखकर लाइसेंस नहीं दिये जाने का शिकायत अनुरोध किया था किन्तु लाइसेंस निरस्त करने और अवैध निर्माण पर कार्रवाई की मांग पर गांधी के चित्र ?वाले हरा कागज नियमों कानूनों पर बेहद भारी पड़ा गया। जिला प्रशासन से न्याय कि उम्मीद आवेदक की धरी की धरी रह गई जब जिलाधीश ने आवेदक को स्पष्ट कहां आप अपनी जमीन के लिए लड़ते रहो। इस मामले में बुद्धिजिवियों का मानना है कि जिसे नियमों का पालन का आदेश करना हो वहीं "रसूख" के आगे नतमस्तक हो जाये तो फिर न्याय के सब रास्ते बंद हो जाते है।

ड्राइवर की हत्या के बाद हजारों आदिवासी उतरे सड़क पर

आक्रोशित आंदोलन के बीच कलेक्ट्रेट सभा कक्ष में कैद रहे सांसद ,विधायक

नई दृष्टिबिंदु / मोहला

मोहला-जिला मुख्यालय मोहला में 20 अप्रैल को आदिवासी बस चालक कमलेश भूआर्य की बेरहम पिटाई और उसके बाद हत्याकांड मे तब्दील हुए मामले को लेकर आज हजारों आदिवासी महिला पुरुष युवाओ का जनाक्रोश मोहला के सड़क? पे फूट पड़ा गांव गांव से हजारों की संख्या में पहुंचे आदिवासी हल्बा समाज के लोगों ने मृत ड्राइवर की पत्नी को साथ लेकर कलेक्ट्रेट का घेराव करते हुए प्रदर्शन किया।

उल्लेखनीय की आज सुबह से ही जिला मुख्यालय मोहला मे जिले के कोने-कोने से पहुंचे आदिवासी हल्बा समाज के महिला पुरुष युवा ग्रामीण लगभग 10 हजार की भीड़ में एकत्रित होकर डंडा झंडा लेकर रैली के शक्ल में कलेक्ट्रेट एसपी कार्यालय की ओर आगे बढ़े, भारी तादाद में तैनात पुलिस बल ने कलेक्ट्रेट एसपी कार्यालय के मैन गेट मे बैरिकेड्स लगाकर प्रदर्शनकारियों को रोक दिया। इस दौरान प्रदर्शनकारी और पुलिस के बीच तीखी बहस नोंकझोंक और? नारे बाजी के बीच स्थिति तनाव पूर्ण रहा। जिस वक्त कलेक्ट्रेट के सामने हजारों भीड़ प्रदर्शन मे जूटी हुई थी इसी दौरान सांसद संतोष पांडे, खुज्जी विधायक भोलाराम साहू प्रशासनिक बैठक मे कलेक्ट्रेट सभा कक्ष में मौजूद थे और बाहर हजारों की भीड़ आदिवासी ड्राइवर कमलेश हत्याकांड के खिलाफ लामबंद थे।

समाज में भारी आक्रोश, सख्त सजा की मांग- मोहला मानपुर अंबागढ़ चौकी जिले के हल्बा-हल्बी आदिवासी समाज के बीच इस हत्याकांड को लेकर गहरा आक्रोश है। मृतक ड्राइवर की पत्नी अमेरिका बाई भूआर्य को लेकर पहुंचे समाजजनों ने एक स्वर में आरोपियों को फांसी की सजा देने की मांग की है। साथ ही पीड़ित परिवार को आर्थिक मुआवजा, परिवार के एक सदस्य को शासकीय नौकरी देने की मांग रखी है। प्रदर्शनकारियों का कहना है कि जब तक उन्हें न्याय नहीं मिलेगा, आंदोलन जारी रहेगा। हल्बा समाज के जिला अध्यक्ष बीरेंद्र मसिया ने बताया कि लगभग दस हजार समाज जन इस प्रदर्शन में पहुंचे थे। जिस विभस्त तरीके से उनके समाज के ड्राइवर को थाने के करीब दो दो बार आरोपियों ने अंतड़िया के फटने तक मारा है जिला मुख्यालय में आम लोग सुरक्षित नहीं है। जिस वजह से आक्रोश रैली हल्बा हलबी समाज ने निकला है।

घर का इकलौता कमाने वाला था मृत ड्राइवर- बीते 20 मार्च को मोहला के 6 युवकों ने बस चालक कमलेश भूआर्य की बेरहमी से बेल्ट और पट्टे से पिटाई कर दिये गंभीर रूप से घायल कमलेश को राजनांदगांव के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां 25 मार्च को इलाज के दौरान उनकी दर्दनाक मौत हो गई। मौत की खबर मिलते ही एसपी वायपी सिह के निर्देश में मोहला थाना प्रभारी कपिल देव चंद्रा ने तत्परता से कार्रवाई करते हुए मोहला निवासी सभी आरोपियों को उसी रात हिरासत मे लेकर जेल भेज दिया है। बावजूद इसके, आदिवासी समाज इस कार्रवाई को अपर्याप्त मानते हुए कड़ी सजा की मांग कर रहा है। बताया गया कि ड्राइवर अपने परिवार में इकलौता कमाने वाला था।

सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम-प्रदर्शन के दौरान सांसद संतोष पांडे खुज्जी की विधायक भोलाराम साहू कलेक्ट सभा कक्ष में प्रशासनिक बैठक मे मौजूद थे बाहर हजारों की भीड़ कार्यालय घेरे हुए थी स्थिति को देखते हुए कलेक्ट्रेट परिसर सहित पूरे नगर मे भारी संख्या में पुलिस बल तैनात किया गया था। पूरे इलाके को सुरक्षा घेरे में रखा गया ताकि अप्रिय घटना को रोका जा सके।

न्यायाधीश अरविंद कुमार वर्मा के सम्मान में विदाई समारोह

विधिक ज्ञान, निष्पक्षता एवं प्रशासनिक दक्षता की सराहना एवं उनके योगदान की प्रशंसा किया गया

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग,

दुर्ग, छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय में न्यायाधीश अरविंद कुमार वर्मा के 07 अप्रैल 2026 को सेवानिवृत्ति के अवसर पर उनके सम्मान में विदाई कार्यक्रम का आयोजन मुख्य न्यायाधीश रमेश सिन्हा के न्यायालय कक्ष में अपराह्न 03:30 बजे संपन्न हुआ।

इस अवसर पर न्यायाधीश रमेश सिन्हा मुख्य न्यायाधीश छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय बिलासपुर ने अपने प्रेरणादायक उद्बोधन में न्यायाधीश अरविंद कुमार वर्मा के समग्र जीवन पर प्रकाश डालते हुए उनके विधिक ज्ञान, निष्पक्षता एवं प्रशासनिक दक्षता की सराहना एवं उनके योगदान की प्रशंसा करते हुए उनके भावी जीवन हेतु शुभकामनाएँ दी। मुख्य न्यायाधीश ने अभिव्यक्त किया कि न्यायाधीश अरविंद कुमार वर्मा का न्यायिक जीवन उत्कृष्टता, निष्ठा और न्याय के प्रति अटूट समर्पण से परिपूर्ण रहा है, वे अपने कार्यकाल के दौरान स्पष्टता, संतुलित दृष्टिकोण तथा विधि के शासन के प्रति सम्मान के लिए जाने जाते हैं और अपने सम्पूर्ण न्यायिक जीवन में न्यायाधीश अरविंद कुमार वर्मा अपनी शालीनता, अनुशासनात्मक दृष्टिकोण एवं संस्था के प्रति गहरे सम्मान के लिए विख्यात रहे हैं। उनके निर्णय न

केवल विधिक विवेचन तक सीमित रहे, बल्कि उनमें न्याय की मानवीय समझ भी परिलक्षित होती रही है। माननीय मुख्य न्यायाधीश महोदय ने यह भी कहा कि उनके निर्णयों ने व्यवस्था को सुदृढ़ किया तथा उनका आचरण युवा न्यायिक अधिकारियों के लिए प्रेरणास्रोत बना और अपने कार्यकाल में न्यायाधीश अरविंद कुमार वर्मा ने विधि के विभिन्न क्षेत्रों में अनेक उल्लेखनीय निर्णय दिए, कुल 9,800 से अधिक प्रकरणों का निराकरण किया, जिनमें 238 ए.एफ.आर. निर्णय भी सम्मिलित हैं, ये आंकड़े मात्र संख्यात्मक उपलब्धियाँ नहीं, बल्कि उनके न्यायिक दृष्टिकोण एवं संवैधानिक मूल्यों के प्रति निरंतर प्रतिबद्धता को दर्शाते हैं। न्यायाधीश अरविंद कुमार वर्मा ने अपने उद्बोधन में ईश्वर, मुख्य न्यायाधीश रमेश सिन्हा एवं समस्त न्यायाधीशगण, परिवार, न्यायिक अधिकारीगण, सहयोगियों, अधिवक्ताओं एवं न्यायालय परिवार के प्रति आभार व्यक्त करते हुए अपने कार्यकाल के अनुभव साझा किए।

उल्लेखनीय है कि न्यायाधीश अरविंद कुमार वर्मा का जन्म 08 अप्रैल, 1964 को अंबिकापुर (छत्तीसगढ़) में हुआ, उन्होंने अपनी प्रारंभिक शिक्षा शासकीय बहुउद्देश्यीय विद्यालय, अंबिकापुर से प्राप्त की, तत्पश्चात अंबिकापुर महाविद्यालय से स्नातक की उपाधि प्राप्त की। इसके बाद उन्होंने शासकीय राजीव गांधी स्नातकोत्तर महाविद्यालय, अंबिकापुर से विधि शिक्षा प्राप्त की। वर्ष 1994 में उन्होंने व्यवहार न्यायाधीश वर्ग-क्क के रूप में न्यायिक सेवा प्रारंभ की। अपने कार्यकाल के दौरान उन्होंने घरघोड़ा, राजनांदगांव, रायपुर, बिलासपुर और जगदलपुर में विभिन्न पदों पर कार्य किया एवं कॉमर्शियल कोर्ट के प्रथम न्यायाधीश के रूप में पदस्थ रहे हैं। उन्होंने जगदलपुर, बिलासपुर एवं रायपुर में जिला एवं सत्र न्यायाधीश के रूप में भी सेवाएं प्रदान की।

न्यायाधीश अरविंद कुमार वर्मा ने उच्च न्यायालय में रजिस्ट्रार जनरल, रजिस्ट्रार न्यायिक एवं छत्तीसगढ़ राज्य न्यायिक अकादमी के अतिरिक्त निदेशक के पद पर प्रशासनिक दायित्वों का निर्वहन किया। 23 जनवरी 2024 को वे उच्च न्यायालय के न्यायाधीश नियुक्त हुए तथा 12 दिसंबर 2025 को स्थायी न्यायाधीश के रूप में शपथ ग्रहण किया।

छुईखदान जनपद में वेतन विवाद ने पकड़ा तूल, प्रभारी सीईओ पर मनमानी के आरोप

नई दृष्टिबिंदु / छुईखदान

छुईखदान जनपद में वेतन विवाद ने पकड़ा तूल, प्रभारी सीईओ पर मनमानी के आरोप; जांच की मांग से गरमाई सियासत

खैरागढ़-छुईखदान-गंडई। जिले के छुईखदान जनपद पंचायत में प्रशासनिक खींचतान अब खुलकर सामने आ गई है। ग्राम पंचायत सचिवों के वेतन रोके जाने का मामला अब गंभीर विवाद का रूप ले चुका है। जनपद पंचायत छुईखदान के सभापति सुधीर गोलछा द्वारा जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी को लिखे गए विस्तृत पत्र ने पूरे मामले को नई दिशा दे दी है। पत्र में प्रभारी सीईओ श्रीमती केश्वरी देवांगन पर अधिकारों के दुरुपयोग और नियमों की अनदेखी के गंभीर आरोप लगाए गए हैं।

पत्र क्रमांक 22/सभापति/जप छुई/2026, दिनांक 19 मार्च 2026 में सभापति ने स्पष्ट रूप से उल्लेख किया है कि प्रभारी सीईओ के रूप में कार्यरत अधिकारी द्वारा लगातार ऐसे निर्णय लिए जा रहे हैं, जो न केवल प्रशासनिक दृष्टि से आपत्तिजनक हैं, बल्कि वैधानिक रूप से भी संदिग्ध हैं। आरोप है कि ग्राम पंचायत सचिवों के वेतन को बिना सक्षम स्वीकृति और बिना किसी स्पष्ट कारण के रोका जा रहा है, जिससे निचले स्तर के कर्मचारियों में असंतोष और असुरक्षा की भावना बढ़ती जा रही है।

ह्लनियमों को दरकिनार कर लिया जा रहा फैसलाह्व सभापति ने अपने पत्र में यह भी कहा है कि यह पूरा मामला *छत्तीसगढ़ पंचायत राज अधिनियम, 1993* और *छत्तीसगढ़ सिविल सेवा (आचरण) नियम, 1965* के प्रावधानों की अनदेखी का प्रतीक है। उनका कहना है कि किसी भी अधिकारी को इस प्रकार कर्मचारियों का वेतन रोकने का एकतरफा अधिकार प्राप्त नहीं है। यदि ऐसा किया गया है, तो यह न केवल सेवा शर्तों का उल्लंघन है, बल्कि वित्तीय अनुशासन को भी चुनौती देता है।

प्रशासनिक सूत्रों की मानें तो इस तरह के मामलों में स्पष्ट प्रक्रिया और सक्षम प्राधिकारी की अनुमति आवश्यक होती है। ऐसे में बिना दस्तावेजी आधार के वेतन रोका जाना गंभीर अनियमितता माना जा सकता है।

कर्मचारियों में नाराजगी, व्यवस्था पर असर

इस पूरे घटनाक्रम का सबसे अधिक असर ग्राम पंचायत सचिवों पर पड़ रहा है। वेतन रुकने के कारण कई सचिव आर्थिक संकट से जूझ रहे हैं। कुछ कमर्चारियों ने नाम न प्रकाशित करने की शर्त पर बताया कि समय पर वेतन नहीं मिलने से घर का बजट बिगड़ गया है, बच्चों की फीस जमा करने में कठिनाई हो रही है और दैनिक जरूरतों को पूरा करना भी चुनौती बन गया है।

वहीं, इसका असर पंचायत स्तर पर चल रहे विकास कार्यों पर भी दिखने लगा है। कई योजनाएं धीमी पड़ गई हैं, जबकि कुछ कार्यों में देरी की स्थिति बन गई है। ग्रामीण क्षेत्रों में इसका सीधा असर जनता को मिलने वाली सुविधाओं पर पड़ रहा है।

यह केवल वेतन का नहीं, सिस्टम का सवाल

विशेषज्ञों का मानना है कि यह मामला केवल वेतन रोकने तक सीमित नहीं है, बल्कि यह प्रशासनिक जवाबदेही और अधिकारों के संतुलन का भी मुद्दा है। यदि किसी अधिकारी द्वारा अपने अधिकार क्षेत्र से बाहर जाकर निर्णय लिए जाते हैं, तो यह पूरी प्रशासनिक व्यवस्था के लिए चिंता का विषय बन जाता है।

जांच के लिए उठे कई सवाल

- सभापति द्वारा भेजे गए पत्र में इस पूरे मामले की उच्च स्तरीय जांच की मांग करते हुए कई अहम सवाल उठाए गए हैं।
- प्रभारी सीईओ बनने के बाद अब तक कितने ग्राम पंचायत सचिवों का वेतन रोका गया?
- किन-किन सचिवों का वेतन प्रभावित हुआ और कितने समय से भुगतान लंबित है?
- वेतन रोकने के पीछे क्या कारण अभिलेखों में दर्ज हैं?
- क्या प्रभारी सीईओ को इस प्रकार का निर्णय लेने का वैधानिक अधिकार है?
- यदि अधिकार नहीं है, तो क्या यह वित्तीय अनियमितता और पद के दुरुपयोग का मामला बनता है?
- क्या यह कृत्य सेवा आचरण नियमों के उल्लंघन की श्रेणी में आता है?

कार्रवाई की मांग तेज

सभापति ने मांग की है कि मामले की निष्पक्ष जांच सुनिश्चित करने के लिए तत्काल प्रभाव से उच्च स्तरीय समिति गठित की जाए। साथ ही, जांच पूरी होने तक संबंधित अधिकारी के वित्तीय और प्रशासनिक अधिकारों को सीमित या निलंबित करने पर भी विचार किया जाए, ताकि किसी प्रकार का प्रभाव या हस्तक्षेप जांच प्रक्रिया को प्रभावित न कर सके। उन्होंने यह भी कहा है कि यदि जांच में आरोप प्रमाणित होते हैं, तो संबंधित अधिकारी के खिलाफ विभागीय जांच शुरू कर कड़ी अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाए। इसमें निलंबन, पद से हटाना या अन्य दंडात्मक कदम शामिल हो सकते हैं।

> नियमों को ताक पर रखकर जनपद पंचायत छुईखदान में तृतीय श्रेणी कमर्चारी प्रभारी सीईओ द्वारा मनमानीपूर्ण निर्णय लिए जा रहे हैं। उच्च कार्यालय के अधिकारी भी दबाव में नजर आते हैं।
>
> **सुधीर गोलछा**, सभापति जनपद पंचायत छुईखदान

प्रशासन की साख दांव पर

यह मामला अब केवल एक प्रशासनिक शिकायत नहीं रह गया है, बल्कि यह शासन की पारदर्शिता और विश्वसनीयता से जुड़ा मुद्दा बनता जा रहा है। यदि इस प्रकार की शिकायतों पर समय रहते कार्रवाई नहीं होती है, तो इससे आम जनता का प्रशासन पर भरोसा कमजोर हो सकता है।

फिलहाल पूरे जिले में इस मामले को लेकर चर्चाएं तेज हैं। पंचायत प्रतिनिधि, कमर्चारी और आम नागरिक सभी इस बात पर नजर बनाए हुए हैं कि जिला प्रशासन इस संवेदनशील मामले में क्या रुख अपनाता है। आने वाले दिनों में इस प्रकरण की जांच और प्रशासनिक कार्रवाई ही यह

> शिकायत प्राप्त हुई है, 4-5 बिंदु में प्रभारी सीईओ से जवाब मांगा गया है, संतोषप्रद जवाब नहीं मिलने पर कार्यवाही की जाएगी ' नियमों के पालन करने निर्देशित किया गया है ' प्रेम कुमार पटेल, सीईओ जिला पंचायत खैरागढ
>
> **प्रेम कुमार पटेल**, सीईओ, जिला पंचायत खैरागढ़

बकाया जल बिल नहीं चुकाने वाले उद्योगों पर वसूली कार्रवाई के निर्देश

जिला पंचायत अध्यक्ष सत्यलता आनंद मिरी की अध्यक्षता में सामान्य सभा की बैठक संपन्न
खरीफ सीजन की तैयारी करने, खाद की मांग, भंडारण व आपूर्ति व्यवस्था के बैठक में दिए निर्देश

नई दृष्टिबिंदु /जांजगीर-चांपा। जिला पंचायत की सामान्य सभा की बैठक मंगलवार को जिला पंचायत सभाकक्ष में जिला पंचायत अध्यक्ष इंजी. सत्यलता आनंद मिरी की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक में जिले के धान खरीदी, परिवहन, समग्र विकास, पंचायतों की कार्यप्रणाली, निर्माण कार्यों की प्रगति, पेयजल व्यवस्था तथा शासन की विभिन्न योजनाओं की विस्तार से समीक्षा की गई। बैठक में पूर्व बैठक में पारित प्रस्तावों के पालन प्रतिवेदन पर चर्चा की गई।

बैठक में आगामी खरीफ सीजन को देखते हुए कृषि संबंधी व्यवस्थाओं पर चर्चा की गई। इस दौरान किसानों की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए खाद की संभावित मांग, उसके भंडारण की स्थिति एवं जिले में उपलब्धता की विस्तृत समीक्षा की गई। अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि खाद का पर्याप्त स्टॉक पहले से सुनिश्चित किया जाए तथा वितरण व्यवस्था को सुचारू और पारदर्शी रखा जाए, ताकि समय पर किसानों को खाद उपलब्ध हो सके। गोदामों में भंडारण की उचित व्यवस्था, परिवहन की समयबद्ध योजना तथा समितियों के माध्यम से किसानों तक खाद की उपलब्धता सुनिश्चित करने कहा। साथ ही खाद वितरण की नियमित मॉनिटरिंग की जाए और यदि कहीं भी कमी या समस्या सामने आती है तो उसका त्वरित निराकरण किया जाए। खरीफ विपणन वर्ष 2025-26 के अंतर्गत धान खरीदी की स्थिति, उपार्जन केंद्रों की कार्यप्रणाली, कुल धान खरीदी, पंजीकृत किसानों की संख्या, धान नहीं बेचने वाले किसानों की जानकारी तथा किसानों से खरीदे गए धान के कुल रकबे की समीक्षा की गई। इसके साथ ही उपार्जन केंद्रों से मिलर को भेजे गए धान एवं 31 मार्च 2026 तक हुए धान उठाव की स्थिति पर भी विस्तार से चर्चा की गई।

बैठक में गर्मी के बढ़ते प्रभाव को देखते हुए गांव-गांव में उत्पन्न होने वाले पेयजल समस्याओं के त्वरित निराकरण के निर्देश दिए गए। इस दौरान कहा गया कि किसी भी ग्राम में पानी की कमी या बाधा की स्थिति न बने, इसके लिए पहले से ही आवश्यक तैयारी सुनिश्चित की जाए। हैंडपंप, नल-जल योजनाओं एवं अन्य जल स्रोतों की नियमित जांच एवं मरम्मत पर विशेष जोर दिया गया, ताकि आमजन को निर्बाध जल आपूर्ति मिल सके। इसके साथ ही जल जीवन मिशन के तहत स्थापित टंकियों से नियमित एवं सुचारू जल सप्लाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। संबंधित विभागों को कहा गया कि पाइपलाइन, मोटर एवं वितरण प्रणाली की सतत मॉनिटरिंग की जाए और किसी भी तकनीकी समस्या का तत्काल समाधान किया जाए।

बैठक में जिले में संचालित उद्योगों एवं उसना राइस मिलों द्वारा पानी के उपयोग की स्थिति की विस्तार से समीक्षा की गई। सभी उद्योग अपने दैनिक जल उपयोग, पानी के स्रोत, बकाया जल बिल तथा बोरवेल/वाटर उपयोग की अनुमति से संबंधित जानकारी निर्धारित प्रारूप में अनिवार्य रूप से प्रस्तुत करने कहा। साथ ही जिन संस्थानों द्वारा पानी के बिल का भुगतान नहीं किया गया है, उनके विरुद्ध वसूली की कार्रवाई की अद्यतन जानकारी उपलब्ध कराने के निर्देश भी दिए गए इस संबंध में 10 अप्रैल 2026 को सभी आवश्यक जानकारी से साथ बैठक आहूत करने के निर्देश जल संसाधन विभाग के अधिकारी को दिए गए हैं।

5 वर्ष से एक ही स्थान पर पदस्थ सचिवों के स्थानांतरण के निर्देश

बैठक में जिले के समस्त पंचायत सचिवों की जानकारी का विवरण भी प्रस्तुत किया गया, जिससे प्रशासनिक व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ बनाने कहा। अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि पंचायत स्तर पर योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करते हुए शासन की मंशा के अनुरूप अंतिम व्यक्ति तक लाभ पहुंचाया जाए तथा सभी विभाग आपसी समन्वय से कार्य करें। बैठक में ऐसे पंचायत सचिव जो पिछले 5 वर्षों से एक ही स्थान पर पदस्थ हैं, उन्हें आपसी समन्वय के आधार पर अन्य स्थानों पर स्थानांतरित करने के निर्देश दिए गए। साथ ही मूल गांवों में पदस्थापना नहीं देने के निर्देश दिए हैं। इस संबंध में आगामी बैठक में समीक्षा की जाएगी।

बैठक में ये रहे उपस्थित

बैठक में जिला पंचायत उपाध्यक्ष गगन कुमार जयपुरिया, जिला पंचायत समिति के सभापति एवं सदस्य श्रीमती प्रियंका सिंह क्षत्री, राजकुमार साहू, श्रीमती नेहा साहू श्रीमती संतोषी सिंह रात्रे, श्रीमती प्रीति दिव्य, श्रीमती प्रमिला साहू, महादेव नेताम, श्रीमती उर्मिला यादव, श्रीमती बबीता रात्रे, श्रीमती शशिकला सिंह, श्रीमती उमा राजेन्द्र राठौर, श्रीमती मोहन कुमारी साहू, सुश्री आशा साव, लोकेश राठौर सहित सांसद प्रतिनिधि विवेका गोपाला, जांजगीर विधायक प्रतिनिधि दिनेश शर्मा, पामगढ़ विधायक प्रतिनिधि राघवेंद्र प्रताप सिंह, सक्ती विधायक प्रतिनिधि गुलज़ार सिंह, जनपद पंचायत अध्यक्ष, जिला पंचायत सीईओ गोकुल रावटे, प्रभारी उपसंचालक पंचायत पंचराम धृतलहरे सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे।

उर्वरकों की जमाखोरी पर कृषि विभाग सख्त, कई दुकानों को नोटिस

नई दृष्टिबिंदु /जांजगीर-चांपा। जिले में उर्वरकों की जमाखोरी और अनियमितता पर रोक लगाने के लिए कृषि विभाग ने सख्त कार्रवाई शुरू कर दी है। उप संचालक कृषि राकेश कुमार शर्मा के नेतृत्व में जिला एवं विकासखंड स्तर पर निरीक्षण दल गठित कर खाद, बीज और कीटनाशकों की दुकानों की जांच की जा रही है, ताकि किसानों को गुणवत्तायुक्त कृषि आदान समय पर उपलब्ध हो सके।

सोमवार को जिले के विभिन्न क्षेत्रों में व्यापक निरीक्षण अभियान चलाया गया। जांजगीर स्थित मेसर्स कश्यप कृषि केन्द्र और चांपा के मेसर्स दिशा सेल्स का निरीक्षण किया गया, जहां पीओएस मशीन और भौतिक स्टॉक का मिलान सही पाया गया। हालांकि, संबंधित संचालकों को भविष्य में किसी भी प्रकार की गड़बड़ी मिलने पर कड़ी कार्रवाई की चेतावनी दी गई।

वहीं नवागढ़ विकासखंड में मेसर्स नानकचंद नंद किशोर के यहां पीओएस और स्टॉक में अंतर पाए जाने पर कारण बताओ नोटिस जारी किया गया। इसी तरह बलौदा विकासखंड के पिसौद और जर्वे क्षेत्र की चार दुकानों—मेसर्स कश्यप कृषि केन्द्र, हर्पिता कृषि केन्द, योगेश कश्यप कृषि केन्द्र और तरुण ट्रेडर्स—में भी अनियमितता मिलने पर नोटिस जारी किया गया है। पामगढ़ विकासखंड में सेवा सहकारी समिति भिलौनी और धनगांव में स्टॉक सही पाया गया, जबकि बम्हनीडीह के चोरिया स्थित क्रांति कृषि केन्द्र और आरएसएस ट्रेडर्स में अंतर पाए जाने पर कार्रवाई की गई। कृषि विभाग ने स्पष्ट किया है कि किसानों के हितों से किसी भी प्रकार का खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। विभाग द्वारा आगे भी लगातार निरीक्षण अभियान जारी रहेगा और दोषी पाए जाने पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

मिडिल स्कूल आमानारा की केन्द्रीकृत परीक्षा में परखी गई विद्यार्थियों की प्रतिभा

नई दृष्टिबिंदु /जांजगीर-चांपा। विकास खण्ड नवागढ़ के अन्तर्गत शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला आमानारा (हरदी) में केन्द्रीकृत माध्यमिक प्रमाण पत्र परीक्षा 2026 कक्षा आठवीं का सफल संचालन हुआ, संकुल केन्द्र धाराशिव रोगदा के अन्तर्गत संकुल प्राचार्य सम्मेलाल नेताम, संकुल समन्वयक भुनेश्वर चौबे, केन्द्राध्यक्ष ईश्वर प्रसाद प्रधान शिक्षक पूर्व मा.शाला धाराशिव (रो.) एवं श्रीमती सुशीला रात्रे प्रधान पाठक शास. प्राथमिक शाला धाराशिव रोगदा व संस्था के शिक्षक व परीक्षा प्रभारी नरेन्द्र राठौर के मार्गदर्शन में परीक्षा का शांतिपूर्वक ढंग संचालित हुआ उक्त परीक्षा केन्द्र में कुल 19 परीक्षार्थी में 18 परीक्षार्थी उपस्थित रहे तथा 1 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहा बैठक व्यवस्था एक कक्ष में रखी गई थी प्रत्येक परीक्षार्थी का रोल नम्बर उसके निर्धारित स्थान टेबल पर चस्पा किया गया था साथ ही बैठक व्यवस्था एवं परीक्षा टाईम टेबल सूचना पटल पर चस्पा की गई थी इस प्रकार इस केन्द्रीकृत माध्यमिक प्रमाण पत्र परीक्षा 2026 कक्षा आठवीं में परखी गई विद्यार्थियों की प्रतिभा उक्त परीक्षा संपन्न कराने में संस्था के शिक्षकों संतोष तिवारी, नरेन्द्र राठौर, सीता गढ़ेवाल, आलोक गढ़ेवाल का सहयोग रहा।

एवरेस्ट पर तिरंगा फहराने निकली छत्तीसगढ़ की बेटी, मुख्यमंत्री ने दी शुभकामनाएं

जांजगीर-चांपा। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने जांजगीर-चांपा जिले की युवा पर्वतारोही सुश्री अमिता श्रीवास को उनके आगामी माउंट एवरेस्ट अभियान के लिए शुभकामनाएं दीं। मुख्यमंत्री श्री साय ने राजधानी रायपुर स्थित मुख्यमंत्री निवास में पर्वतारोही सुश्री अमिता श्रीवास से मुलाकात के दौरान कहा कि आगामी 9 अप्रैल को सुश्री अमिता विश्व की सर्वोच्च चोटी माउंट एवरेस्ट पर तिरंगा फहराने के संकल्प के साथ काठमांडू के लिए रवाना हो रही हैं। यह केवल एक व्यक्तिगत उपलब्धि की यात्रा नहीं, बल्कि पूरे छत्तीसगढ़ की आकांक्षाओं, साहस और आत्मविश्वास की ऊंची उड़ान है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि अमिता का यह अभियान इस बात का प्रमाण है कि यदि संकल्प अटल हो, तो कोई भी ऊंचाई असंभव नहीं रहती। प्रदेश की बेटियां आज हर क्षेत्र में अपनी प्रतिभा और परिश्रम से नए मानक स्थापित कर रही हैं और छत्तीसगढ़ को नई पहचान दे रही हैं। उन्होंने कहा कि अमिता श्रीवास ने वर्ष 2021 में अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर माउंट किलिमंजारो को फतह कर पहले ही अपनी क्षमता और दृढ़ता का परिचय दिया है। उनका यह सतत प्रयास न केवल उपलब्धि है, बल्कि प्रदेश की युवा पीढ़ी, विशेषकर बेटियों के लिए एक जीवंत प्रेरणा है।

स्कूली बच्चों का आधार सीडिंग 30 अप्रैल तक पूर्ण करने जिला शिक्षा अधिकारी को निर्देश

कलेक्टर ने सभी अधिकारियो को ईऑफिस में फ़ाइल प्रस्तुत करने के निर्देश दिए

सारंगढ़ बिलाईगढ़। कलेक्टर डॉ संजय कन्नौजे ने समय सीमा की बैठक में जिले के प्रगतिरत कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने सभी विभाग के अधिकारियों को ईऑफिस में प्राथमिकता से कार्य करने के लिए निर्देशित किया। स्कूली बच्चों का आधार सीडिंग करने के लिए 30 अप्रैल तक जिला शिक्षा अधिकारी को कलेक्टर ने निर्देश दिए।

जल संरक्षण अभियान में मनरेगा और वन विभाग से चेक डेम, नाला बधान, धान के बदले अन्य फसल पर कलेक्टर ने जोर दिया। वृक्षारोपण के साथ साथ फेंसिंग कार्य को बढ़ाने के लिए कलेक्टर ने जिले के वन अधिकारी को निर्देशित किया और आगामी दिनों में आयोजित शिविर की रुपरेखा बनाया, जिसके अनुसार 16 अप्रैल को अपरान्ह में जिला स्तरीय जन समस्या निवारण शिविर होगा, वहीं अब जिले के सारंगढ़ और बिलाईगढ़ अनुविभाग क्षेत्र में माह में यह शिविर 2 बार आयोजित होगा। कलेक्टर ने उस गांव क्षेत्र में सभी विभाग के अधिकारी और उस क्षेत्र में पदस्थ कर्मचारी को शिविर में अपडेट जानकारी के साथ उपस्थित रहने और दोपहर से उस क्षेत्र के ऑफिस आदि को निरीक्षण करने के लिए निर्देशित किया। कलेक्टर ने पेयजल उपलब्धता के लिए जल जीवन मिशन के सभी निर्माण कार्यों का समीक्षा किया और कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए। वहीं 3 माह के राशन भंडारण के लिए अतिरिक्त सरकारी भवन, सामुदायिक भवन का उपयोग करने के लिए अधिकारियो को निर्देशित किया। कलेक्टर ने कहा कि सभी सीएमओ अपने फील्ड में नियमित निरीक्षण करें और बरसात से शहर के जगह जगह भरे पानी, नाला, नाली, स्ट्रीट लाईट आदि कार्य को स्वतः पूरा करें। साथ ही स्वनिधि योजना का भी लाभ हितग्राहियों को देने के लिए गंभीरता और प्राथमिकता से कार्य करने के निर्देश दिए। उन्होंने अपने नगरीय क्षेत्र में निर्माणाधीन आंगनबाड़ी भवन निर्माण को भी जल्दी से 30 जून तक गुणवत्ता के साथ कार्य करने के निर्देश दिए। कलेक्टर डॉ कन्नौजे ने पीएम सूर्य घर योजना और रेन वाटर हार्वेस्टिंग कार्य के लक्ष्य के अनुरूप सभी विभागों को कार्यों में प्रगति लाने के निर्देश दिए। इसी प्रकार उप संचालक कृषि आशुतोष श्रीवास्तव से पीएम किसान सम्मान निधि, पीएम अन्नदाता आई संरक्षण अभियान प्राइस सपोर्ट स्कीम (आशा), खाद, बीज भंडारण की जानकारी ली। जिलाधीश डॉ संजय कन्नौजे ने जिले में एससी, एसटी, ओबीसी विकास प्राधिकरण क्षेत्र के लंबित कार्यों का समीक्षा करते हुए हर हाल में कार्य को शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए, वहीं अपूर्ण कार्यों में संबंधित निर्माण एजेंसी के विरुद्ध कुर्की की कार्यवाही करने के लिए सीईओ को निर्देशित किया। उन्होंने जिले के 17 गांव में हुए धरती आबा के विकास कार्यों को आदिवासी बाहुल्य गांवों में भी करने के निर्देश दिए।

इंडियन टैलेंट ओलंपियाड में वन्दे मातरम् स्कूल मालखरौदा के दो विद्यार्थी स्टेट टॉपर

दो विद्यार्थी नवोदय में हुए चयन, छह विद्यार्थियों ने हासिल किया एक्सीलेंस मेडल अवॉर्ड

नई दृष्टिबिंदु /सक्ती। देश के नंबर वन इंडियन टैलेंट ओलंपियाड की फाइनल एग्जाम में वन्दे मातरम् आदर्श विद्यालय मालखरौदा के 8 छात्र छात्राओं ने बेहतर प्रदर्शन करते हुए मैथ्स एवं इंग्लिश में दो विद्यार्थी कु. छाया सोनवाने व चिराग पटेल स्टेट टॉपर बने तथा छः विद्यार्थी कृष्णा चंद्रा, चिराग यादव, कु. गरिमा कर्ष, कु. भूमिका साहू, कु.प्रीवर महंत, कु. दीपांजलि बरेठ ने एक्सीलेंस मेडल अवॉर्ड हासिल करते हुए ओलंपियाड पुरस्कार विजेता बने।

साथ ही दो विद्यार्थी कु. भूमिका साहू पिता गणपत साहू एवं कु. उर्वशी चंद्रा पिता एकलव्य चंद्रा जवाहर नवोदय विद्यालय में चयनित हुए जिसमें कु. भूमिका साहू पूरे जिले में द्वितीय स्थान प्राप्त की है।

ज्ञातव्य हो कि मालखरौदा अंचल का एकमात्र प्रतिष्ठित संस्थान वन्दे मातरम् आदर्श विद्यालय मालखरौदा में विद्यार्थियों की प्रतिभा को उभारने प्रतिवर्ष विभिन्न ओलंपियाड परीक्षाओं का आयोजन किया जाता है जिसमें विद्यार्थी बड़ी संख्या में बेहतर प्रदर्शन करते हुए सफलता हासिल कर रहे है।

साथ ही प्रतिवर्ष जवाहर नवोदय विद्यालय में चयनित हो कर विद्यालय सहित अपने माता पिता और परिवार जनों का नाम रौशन कर रहे है। संस्था के प्राचार्य बी. डी. मेहेर एवं विद्यालय परिवार द्वारा सभी विद्यार्थियों की उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए बधाई एवं शुभकामनाएं प्रदान किये।

इतिहास में संघर्ष करने वालों का नाम दर्ज होता है: अधिवक्ता चितरंजय पटेल

नई दृष्टिबिंदु /सक्ती। अन्याय के खिलाफ संघर्ष करें क्योंकि इतिहास में संघर्ष करने वालों का नाम दर्ज होता है, यह बात कहते हुए जिला अधिवक्ता परिषद के अध्यक्ष एवं उच्च न्यायालय अधिवक्ता चितरंजय पटेल ने विधि प्रकोष्ठ के नव नियुक्त जिला संयोजक संतोष यादव एवं सह संयोजक जगत शर्मा को बधाई देते हुए कहा कि आप अधिवक्ता हित के लिए संघर्ष हेतु तत्पर रहें तो निश्चित रूप से अधिवक्ता बंधु हमारे साथ जुड़ेंगे और संगठन मजबूत होगा।

आज विश्राम गृह सक्ती में विधि प्रकोष्ठ के नव नियुक्त पदाधिकारियों को बधाई देने के साथ अतिरिक्त लोक अभियोजक मनोज सिसोदिया के जन्म दिवस पर उपस्थित अधिवक्ताओं ने उन्हें बधाई देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की के कामनाएं की। इस अवसर पर उच्च न्यायालय अधिवक्ता चितरंजय पटेल, अतिरिक्त लोक अभियोजक मनोज सिसोदिया, संतोष यादव संयोजक, जगत शर्मा सह संयोजक, वीरेंद्र उपाध्याय, उदित पटेल आदि अधिवक्ताओं की गरिमामय उपस्थिति रही।

सार समाचार

सरकार पत्थर खदान नीलामी के विरोध को दबाने के बजाय जनता की समस्याओं को सुने : बाघे

सारंगढ़। पत्थर खदान नीलामी के विरोध में उठ रही जनभावनाओं को दबाने के बजाय सरकार को जनता की वास्तविक समस्याओं और चिंताओं को गंभीरता से सुनना चाहिए। लोकतंत्र में जनता की आवाज सर्वोपरि होती है और उसे दबाने के बजाय समाधान निकालना सरकार की जिम्मेदारी है।

सारंगढ़-बिलाईगढ़ जिला कांग्रेस कमेटी के महामंत्री गोपाल बाघे ने प्रदेश की भाजपा सरकार पर आरोप लगाते हुए कहा कि सरकार आम जनता को परेशान करने वाली नीतियां बना रही है और उद्योगपतियों को लाभ पहुंचाने का काम कर रही है।

उन्होंने कहा कि ग्राम कुटेला, चंदाई, रापागुला, खैराहा, दुर्गापाली, खम्हारडीह, गताडीह, जुनाडीह, पचपेड़ी, भोजपुर और सुलोनी सहित दर्जनों गांवों में प्रस्तावित खदान और चूना फैक्ट्री से पर्यावरण, जल स्रोत, खेती और ग्रामीणों के जीवन पर गंभीर प्रभाव पड़ सकता है। इन चिंताओं को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। उन्होंने आगे कहा कि यदि जनता विरोध कर रही है, तो उसके पीछे ठोस कारण हैं। सरकार को चाहिए कि इन कारणों को समझे और उनका उचित समाधान निकाले, न कि आवाज को दबाने का प्रयास करे। महामंत्री बाघे ने कहा कि जनता से बड़कर कोई नहीं है और सरकार को उद्योगपतियों के बजाय जनहित को प्राथमिकता देनी चाहिए। यदि सरकार जनता की भावनाओं की अनदेखी करेगी, तो जनता उसे सत्ता से बाहर करने का काम करेगी।

मनेन्द्रगढ़ सिटी कोतवाली निरीक्षक विवेक पाटले संभालेंगे शहर की कमान

मनेन्द्रगढ़। जिला एनसीबी शहर की कानून-व्यवस्था के लिहाज से महत्वपूर्ण माने जाने वाले सिटी कोतवाली मनेन्द्रगढ़ में बड़ा प्रशासनिक बदलाव किया गया है थाना प्रभारी निरीक्षक दीपेश सैनी के रायपुर स्थानांतरण के बाद अब निरीक्षक विवेक पाटले को यहां की जिम्मेदारी सौंपी गई तबुर्बे कर पुलिस अधीक्षक कार्यालय एमसीबी द्वारा जारी आदेश के तहत यह पदस्थापना तत्काल प्रभाव से लागू कर दी गई है। निरीक्षक विवेक पाटले को पुलिस विभाग में उनके अनुभव और कार्यकुशलता के लिये जाना जाता है वे जिला एमसीबी में साइबर सेल के प्रभारी हैं जहां उन्होंने तकनीकी अपराधों के मामलों में प्रभावी कार्यवाही कर अपनी अलग पहचान बनाई। इसके अलावा वे पोंडी थाना प्रभारी के रूप में भी अपनी सेवाएं दे चुके हैं जहां उनके कार्यकाल को अनुशासन और सक्रियता के लिये सराहा गया

मनेन्द्रगढ़-सिटी,कोतवाली एक संवेदनशील थाना क्षेत्र,है,जहां,कानून-व्यवस्था बनाये रखना चुनौतीपूर्ण माना जाता है। ऐसे में विवेक पाटले की नियुक्ति को एक महत्वपूर्ण और रणनीतिक निर्णय के रूप में देखा जा रहा है। उम्मीद जताई जा रही है कि उनके नेतृत्व में अपराध नियंत्रण, त्वरित कार्यवाही और जनसंपर्क को नई मजबूती मिलेगी, इसी क्रम में पुलिस व्यवस्था को सुचारू बनाये रखने के लिये पुलिस सहायता केंद्र नागपुर के प्रभारी शेषनारायण सिंह को आगामी आदेश तक अतिरिक्त जिम्मेदारी सौंपी गई है। उन्हें अस्थायी रूप से पोंडी थाना संबंधित कार्यों में सहयोग एवं संचालन की जिम्मेदारी दी गई है ताकि प्रशासनिक कार्यों में किसी प्रकार की बाधा ना आये,नई नियुक्ति के साथ ही पुलिस विभाग में सक्रियता बढ़ने और क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत करने की उम्मीद की जा रही है।

ग्राम पंचायत खोड़ुल में राशन कार्डधारियों का खाद्यान्न डकारे जाने की शिकायत

नई दृष्टिबिंदु

ग्रामीणों ने कलेक्टर से नियमित खाद्यान्न वितरण की मांग की

कोरबा। जिले में गरीबों के राशन पर डाला जा रहा है। सोसाइटी संचालकों को द्वारा नियमित रूप से खाद्यान्न वितरण नहीं किया जा रहा है।

राशन कार्डधारियों का खाद्यान्न डकारे जाने की शिकायत लेकर कलेक्टर जनदर्शन में ग्राम कोरकोमा और खोड़ुल के ग्रामीण पहुंचे थे। खोड़ुल के सरपंच और जनपद सदस्य सहित शिकायत लेकर पहुंचे ग्रामीणों का कहना है कि ग्राम पंचायत खोड़ुल के लगभग 40 प्रतिशत राशन कार्डधारियों को मार्च महीने का चावल अभी तक प्राप्त नहीं हुआ है तथा उचित मूल्य दुकान के संचालकों जो कि गुरु घासीदास महिला स्व सहायता समूह (कोड 5520010 70) के द्वारा सूचना दिया जा रहा है कि मार्च महीने का चावल गांव के लगभग 40 फीसदी कार्ड धारियों का आया ही नहीं है। पूर्व माह में पहले से हितग्राहियों का पॉचिंग करवा लिया जाता है। उसके पश्चात् राशन नहीं दिया जाता है, जिससे ग्रामीण परेशान हैं।गांव वालों में उदासी है, जीवन यापन करने में बहुत परेशानी हो रही है। उन्होंने मांग की है कि राशन कार्ड धारियों को राशन देने एवं समस्या का निराकरण किया जाए। इसी तरह ग्राम कोरकोमा के ग्रामीणों का कहना है कि हर माह 200 से 300 कार्डधारियों को राशन से वंचित कर दिया जाता है। फरवरी और मार्च में भी 400 से 500 कार्डधारियों को राशन प्रदान नहीं किया गया है। अब अप्रैल महीना लग गया है ऐसे में उन्हें अप्रैल का खाद्यान्न दिया जाएगा या फिर फरवरी और मार्च का। ग्रामीणों का कहना है कि पूछने पर दुकानदार कहते हैं कि राशन आएगा तो मिल जाएगा। ग्रामीणों ने कलेक्टर से नियमित खाद्यान्न वितरण की मांग की है। राशन नहीं मिलने से ग्रामीणों को भारी समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है।

शासकीय स्कूल गेट में अवैध कब्जा हटाने की मांग

ग्राम पंचायत खोड़ुल के जनप्रतिनिधियों व ग्रामीणों ने शिकायत में बताया कि गांव में शासकीय स्कूल गेट में श्याम लाल दिवाकर व राम गोपाल सोनवानी द्वारा अवैध कब्जा किया गया है। जिस कारण से गेट के अंदर चार पहिया वाहन नहीं घुस पा रहा है। जिससे स्कूल प्रांगण के अंदर शासकीय काम करने में समस्या हो रही है। रामगोपाल सोनवानी द्वारा किचन शेड को कब्जा कर किराना दुकान संचालित किया जा रहा है। बच्चों को नशीली पदार्थ बेचा जा रहा है, जिससे बच्चों के भविष्य पर खतरा मंडरा रहा है, बार बार समझाने पर भी उनके द्वारा अवैध कब्जा को नहीं हटाया गया है। ग्रामीणों ने उचित कार्यवाही कर कब्जा को हटवाने की मांग की है, ताकि स्कूल के बच्चों का भविष्य अच्छा हो और शासकीय काम में बाधा ना हो।

छत्तीसगढ़ कर्मचारी -अधिकारी फेडरेशन के कार्यकारिणी में उप कोषाध्यक्ष बने संवित साहू, जिला कोर कमेटी में भी बतौर मेम्बर मिला स्थान

नई दृष्टिबिंदु

संगठन के पदाधिकारियों दी शुभकामनाएं

कोरबा। प्रदेश पंचायत सचिव संघ के उपाध्यक्ष संवित साहू को छत्तीसगढ़कर्मचारी –अधिकारी फेडरेशन में बड़ी जिम्मेदारी मिली है। संगठन ने उन्हें 39 सदस्यीय कार्यकारिणी में उप कोषाध्यक्ष बनाया गया है। वहीं 15 सदस्यीय जिला कोर कमेटी में भी भीतर मेम्बर स्थान दिया गया है।

संवित साहू को इस उपलब्धि संगठन के पदाधिकारियों ,साथियों ने शुभकामनाएं दी है उनसे संगठन को बेहतरी के लिए पूरी ऊर्जा एवं संजीदगी के साथ कार्य व्यवहार करने की अपेक्षा की गई है। संवित साहू के अलावा जिले में राजस्व, शिक्षा,स्वास्थ्य ,वनमंडल ,जनपद पंचायत ,शुद्धन विकास विभाग ,आदिवासी विकास विभाग व परिवहन विभाग में सेवारत संगठन के साथियों को भी कार्यकारिणी व जिला कोर कमेटी में स्थान देकर महती जिम्मेदारी सौंपी गई है।

दर्दनाक सड़क हादसा: एसईसीएल कर्मी सहित माता-पिता की मौत, कार के उड़े परखच्चे

नई दृष्टिबिंदु

कोरबा। जिले में सोमवार को एक दिल दहला देने वाला सड़क हादसा सामने आया है, जिसमें एसईसीएल के एक कर्मी सहित उनके माता-पिता की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। वहीं एक अन्य साथी गंभीर रूप से घायल हो गया, जिसे अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जानकारी के अनुसार, राहुल टोप्पो, जो कोरबा जिले के कुसमुंडा खदान में विद्युत यांत्रिकी विभाग में केटेगरी-वन के कर्मचारी के रूप में पदस्थ थे, मूल रूप से ओंकबापुर जिले के जगन्नाथपुर चैरा गांव के रहने वाले थे। वे अपने परिवार के साथ कुसमुंडा क्षेत्र के आदर्श नगर में निवास कर रहे थे। बताया जा रहा है कि सोमवार को राहुल टोप्पो अपने माता-पिता और एक साथी सोनू के साथ मारुति फ्रॉक्स कार से अपने गांव लौट रहे थे। इसी दौरान खड़गवां रोड पर कल्याणपुर के पास सामने से आ रही तेज रफ्तार ट्रक से उनकी कार की जोरदार भिड़ंत हो गई।

मौके पर ही तीन की मौत, एक गंभीर

टक्कर इतनी भीषण थी कि कार के परखच्चे उड़ गए। हादसे में राहुल टोप्पो और उनके माता-पिता की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं उनके साथ कार में सवार सोनू गंभीर रूप से घायल हो गया, जिसे तत्काल अस्पताल पहुंचाया गया।

जनदर्शन में कलेक्टर ने सुनी आमजनों की समस्याएं, त्वरित निराकरण के दिए निर्देश

नई दृष्टिबिंदु

कलेक्टर की संवेदनशील पहल: दिव्यांग बालक को तत्काल व्हील चेयर कराया गया उपलब्ध

शिविर के माध्यम से आमजनों को बिजली बिल सुधार की समस्याओं से राहत दिलाने के निर्देश

कोरबा। कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित जनदर्शन कार्यक्रम में जिले के शहरी एवं दूरस्थ क्षेत्रों से आए नागरिकों ने अपनी समस्याएं प्रस्तुत की। कलेक्टर कुणाल दुदावत ने प्रत्येक आवेदन की गंभीरता से सुनते हुए संबंधित अधिकारियों को समयबद्ध, पारदर्शी निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। इस अवसर पर अपर कलेक्टर देवेंद्र पटेल, ओंकार यादव, डिप्टी कलेक्टर टी आर भारद्वाज सहित विभागीय अधिकारी उपस्थित थे। कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित जनदर्शन में सरईसिंगार के निवासी प्रकाश चन्द्र साहू द्वारा अपने 14 वर्षीय दिव्यांग पुत्र यश कुमार साहू के लिए पेंशन व व्हील चेयर हेतु आवेदन प्रस्तुत की गई। कलेक्टर ने प्रकरण को संवेदनशीलता से लेते हुए उप संचालक समाज कल्याण को तत्काल यश कुमार को व्हील चेयर प्रदान करने के निर्देश दिए, उन्होंने यश के बेहतर स्वास्थ्य लाभ हेतु स्वास्थ्य विभाग को निर्देशित किया साथ ही दिव्यांग पेंशन सहित विभाग में संचालित अन्य योजनाओं से भी लाभान्वित करने हेतु अधिकारियों को निर्देशित किया।

कलेक्टर के निर्देश के परिपालन में समाज कल्याण विभाग द्वारा त्वरित कार्यवाही करते हुए आवेदक प्रकाश चन्द्र को उनके पुत्र यश कुमार के लिए व्हील चेयर प्रदान किया गया एवं अन्य विभागीय योजनाओं से शीघ्र ही लाभान्वित करने आश्वोवित किया गया।

जनदर्शन में विभिन्न ग्रामों से आए संतोष कुमार, सामरत यादव सहित अन्य नागरिकों ने बिजली बिल में त्रुटियों के सुधार के सम्बंध में आवेदन प्रस्तुत किया। कलेक्टर दुदावत ने विद्युत विभाग के अधिकारी को शिविर आयोजित कर राज्य शासन की नई गाइडलाइन के अनुसार आमजनों को राहत पहचाने के निर्देश दिए। साथ ही शिविर के सम्बंध में व्यापक प्रचार-प्रसार सुनिश्चित करने के भी निर्देश दिए। ग्राम खोड़ुल की महिलाओं द्वारा गांव के उचित मूल्य दुकान से खाद्यान्न वितरण में अनियमितता की शिकायत प्रस्तुत की गई। कलेक्टर ने इस मामले को गंभीरता से लेते हुए खाद्य अधिकारी को तत्काल जांच दल गठित कर प्रकरण की विस्तृत जांच करने के निर्देश दिए। साथ ही शिकायत सत्य पाए जाने पर संबंधित संचालक के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए।

'विभिन्न जनसमस्याओं के निराकरण हेतु त्वरित कार्यवाही के निर्देश'

जनदर्शन में अवैध कब्जा पर रोक प्रधानमंत्री आवास, मनरेगा मजदूरी भुगतान, आर्थिक सहायता, बनाधिकार पट्टा, सीमांकन एवं मानदेय भुगतान संबंधी कुल 113 आवेदन प्राप्त हुए। कलेक्टर कुणाल दुदावत ने सभी प्रकरणों को गंभीरता से लेते हुए संबंधित विभागों को त्वरित जांच कर पात्र हितग्राहियों को शीघ्र राहत प्रदान करने के निर्देश दिए।

पीएम श्री एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालयों में अतिथि शिक्षकों एवं अन्य पदों हेतु चल-साक्षात्कार का आयोजन

नई दृष्टिबिंदु

कोरबा। जिले के सभी एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालयों में शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए रिक्त पदों पर अतिथि शिक्षकों की नियुक्ति हेतु चल-साक्षात्कार का आयोजन पीएम श्री एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय छुरिकला, ब्लॉक-कटघोरा में किया जा रहा है।

इच्छुक एवं योग्य अभ्यर्थी ऑनलाइन आवेदन फॉर्म गूगल लिंक के माध्यम से भर सकते हैं। ऑनलाइन आवेदन करने की अंतिम तिथि 11 अप्रैल 2026 निर्धारित की गई है, जबकि साक्षात्कार का आयोजन 13 अप्रैल 2026 को किया जाएगा। साक्षात्कार के समय आवेदकों को अपने पूर्णतः भरे हुए आवेदन पत्र के साथ सभी आवश्यक प्रमाणपत्रों की एक स्व-प्रमाणित प्रति अनिवार्य रूप से जमा करनी होगी।

भर्ती के लिए उपलब्ध पदों में स्नातकोत्तर शिक्षक के अंतर्गत अंग्रेजी, इतिहास, भूगोल, वाणिज्य, अर्थशास्त्र, जीव विज्ञान और गणित विषय शामिल हैं। प्रशिक्षित स्नातक शिक्षक के लिए अंग्रेजी, गणित, सामाजिक विज्ञान, हिंदी, विज्ञान और शारीरिक शिक्षा के पद रिक्त हैं। इसके अतिरिक्त नर्स (महिला), काउंसलर (महिला) और आतिथ्य एवं पर्यटन प्रशिक्षक के पदों पर भी नियुक्तियां की जानी हैं।

विभिन्न पदों हेतु शैक्षणिक योग्यता, वेतन, सेवा शर्तें और विस्तृत जानकारी के लिए जिला प्रशासन कोरबा की आधिकारिक वेबसाइट पर उपलब्ध लिंक का अवलोकन किया जा सकता है। नियोजन केवल उपलब्ध रिक्त पदों के आधार पर ही सुनिश्चित किया जाएगा। अधिक जानकारी हेतु मो.नं. 7869096888 पर संपर्क किया जा सकता है।

आत्महत्या के लिए प्रेरित करने के मामले में आरोपी गिरफ्तार

नई दृष्टिबिंदु

कोरबा। घर से बिना किसी को बताए युवती कहीं चली गई। उसकी खोजबीन के बाद परिजनों ने गुमशुदगी दर्ज करा दी। मामले में उस वक्त नया मोड़ आया, जब युवती के लापता होने में दो बच्चों के पिता की भूमिका सामने आई। वे कुछ करते, इससे पहले जहर सेवन के कारण युवती की मौत की खबर आई। परिजन मेडिकल कॉलेज अस्पताल पहुंचे तो युवक को देख उनका गुस्सा फूट पड़ा। वे युवक के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग पर अड़ गए। पुलिस ने पीड़ित परिवार को समझाईश देते हुए करीब 36 घंटे बाद वैधानिक कार्रवाई पूरी की। पुलिस ने आत्महत्या के लिए प्रेरित करने के मामले में आरोपी को गिरफ्तार किया है।

बांकीमोंगरा थाना क्षेत्र में एक परिवार निवास करता है। इस परिवार की 25 वर्षीय बेटी केएन कॉलेज में पढ़ाई करती थी। युवती 31 मार्च की सुबह करीब 6 बजे घर में बिना बताए कहीं चली गई। उसके काफी देर तक घर नहीं लौटने पर परिजनों को चिंता सताने लगी। उन्होंने युवती की खोजबीन शुरू कर दी, लेकिन उसका कोई सुराग नहीं मिला। उसका अंक सूची, आधार कार्ड व एटीएम सहित जरूरी दस्तावेज भी घर में नहीं थे, जिससे परिजनों को संदेह हो गया। वे थाना में गुमशुदगी दर्ज कराते हुए पतासाजी में जुटे रहे। इस दौरान उनके हाथ एक मोबाइल नंबर लगा, जिससे परिजनों की घुड़देवा में रहने वाले दो बच्चों के पिता करन लहरे नामक युवक पर बहला फुसलाकर ले जाने का संदेह हो गया। उन्होंने युवक के परिजनों से पूछताछ की तो उनका शक यकीन में बदल गया। दरअसल करन भी दो तीन दिनों से गायब था। युवती के परिजन उसकी खोजबीन में लगे ही थे। इसी बीच 4 अप्रैल को करन की मां ने युवती के परिजनों को कॉल कर उसके मेडिकल कॉलेज अस्पताल में होने की जानकारी दी। परिजन अस्पताल पहुंचे, तब तक जहर सेवन से गंभीर युवती की मौत हो चुकी थी। परिजन अपने परिवार के साथ युवक को अस्पताल में देख आक्रोशित हो गए। उन्होंने युवक पर भड़ास निकालना शुरू कर दिया। वे पुलिस से युवक को तत्काल गिरफ्तार करने की मांग करने लगे। पुलिस आक्रोशित परिजनों को नियमों से अवगत कराते हुए समझाइश देने का प्रयास करती रही, लेकिन बात नहीं बनी। आखिरकार रविवार की सुबह बांकीमोंगरा थाना प्रभारी चमन सिंह, एएसआई नंदलाल टंडन व सिविल लाइन थाना प्रभारी नवीन पटेल मेडिकल कॉलेज अस्पताल पहुंचे। उन्होंने परिजनों को समझाईश देते हुए निष्पक्ष जांच और दोषी के खिलाफ सख्त कार्रवाई का आश्वासन दिया, तब कहीं जाकर वैधानिक कार्रवाई पूरी हुई। इसके साथ ही पुलिस ने आत्महत्या के लिए प्रेरित करने वाले करन लहरे को गिरफ्तार कर लिया। उसे वैधानिक कार्रवाई उपरांत कोर्ट पेश किया गया है।मेडिकल कॉलेज अस्पताल में एक बार फिर बड़ी लापरवाही सामने आई है। दरअसल आरोपी करन जहर सेवन से गंभीर युवती को लेकर 3 अप्रैल की रात अस्पताल पहुंचा था। उसकी 4 अप्रैल को सुबह करीब 5 बजे मौत हो गई। इसके बावजूद पुलिस को सूचना नहीं दी गई। अस्पताल में दोनों पक्ष के आमने सामने होते ही हंगामा शुरू हो गया। इसी बीच करीब 12 घंटे बाद यानि शाम 5 बजे अस्पताल पुलिस चौकी मेमो भेजा गया। जिससे वैधानिक कार्रवाई में भी देरी हुई।

एक नंबर पर बार बार बात का खुलासा

युवती के लापता हो जाने से परिजन बेहद परेशान थे। उन्होंने युवती के मोबाइल की जांच की तो एक नंबर पर बार बार बात होने की जानकारी सामने आई। जिससे परिजनों को करन लहरे पर संदेह हो गया।

जल जीवन मिशन से ढिटोरी की महिलाओं के जीवन में आई नई मुस्कान

नई दृष्टिबिंदु

//सफलता की कहानी//

कोरबा। जिले के करतला विकासखंड के अंतर्गत ग्राम पंचायत बुढ़ियापाली का आश्रित ग्राम ढिटोरी, जो जिला मुख्यालय से लगभग 36 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है, आज विकास की एक नई इबारत लिख रहा है। लगभग 763 की जनसंख्या वाले इस गाँव में पहले स्वच्छ पेयजल की उपलब्धता एक बड़ी चुनौती थी, जिससे विशेषकर महिलाओं को भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ता था। गाँव की 38 वर्षीय जोगिनी बाई उन दिनों को याद करते हुए बताती हैं कि उन्हें पानी लाने के लिए घर से काफी दूर जाना पड़ता था। गर्मी हो या बारिश, हर मौसम में साफ पानी का इंतजाम करना एक संघर्ष जैसा था, जिससे न केवल समय की बचाबी होती थी बल्कि शारीरिक श्रम भी अधिक करना पड़ता था।

भारत सरकार की महत्वाकांक्षी 'हर घर जल' पहल और जल जीवन मिशन के माध्यम से ढिटोरी की यह तस्वीर पूरी तरह बदल गई है। मिशन के तहत ग्राम ढिटोरी के सभी 176 घरों को नल कनेक्शन से जोड़ दिया गया है, जिससे अब ग्रामीणों को सुबह और शाम उनके घर पर ही पाइपलाइन के माध्यम से स्वच्छ पेयजल प्राप्त हो रहा है। इस योजना के क्रियान्वयन से ग्रामीण महिलाओं को पानी ढोने के पुराने और कठिन काम से बड़ी राहत मिली है, जिससे उनके समय और श्रम की बचत हो रही है। जल जीवन मिशन ने न केवल पेयजल की समस्या का निदान किया है, बल्कि इसने ग्रामीण समाज की महिलाओं के जीवन स्तर में सकारात्मक बदलाव भी लाया है। घर पर ही स्वच्छ पानी उपलब्ध होने से महिलाओं के स्वास्थ्य में सुधार हुआ है और उनके भीतर एक नया आत्मविश्वास जागृत हुआ है। आज ढिटोरी की महिलाएं घर के साथ-साथ सामाजिक भागीदारी और आत्मनिर्भरता की ओर भी कदम बढ़ा रही हैं। पानी की उपलब्धता ने गाँव में खुशहाली का संचार किया है और जोगिनी बाई जैसी अनेक महिलाओं के जीवन को सम्मान और गरिमा के साथ सहज बना दिया है।

अभिव्यक्ति

एचडीएफसी बैंक की पारदर्शिता पर गहरे सवाल

हालिया घटनाओं से एचडीएफसी बैंक की पारदर्शिता पर गहरे सवाल उठे हैं। चेयरमैन के इस्तीफे और तीन अधिकारियों की बर्खास्तगी के बाद लोगों के मन में अनेक संदेह तैर रहे हैं। इन्हें दूर करने का विश्वसनीय प्रयास अविलंब किया जाना चाहिए। अंदेशा है कि मार्केट कैपिटलाइजेशन, ग्राहक आधार, और शाखा नेटवर्क के लिहाज से भारत में प्राइवेट सेक्टर के सबसे बड़े बैंक एचडीएफसी की साख पर उठे सवाल देश की वित्तीय अर्थव्यवस्था पर दूरगामी असर छोड़ सकते हैं। इसलिए इस बारे में पूरी पारदर्शिता बरतते हुए बैंक के सभी हितधारकों सहित पूरे देश को भरोसे में लिया जाना चाहिए। इस समय जबकि देश अंदरूनी एवं अंतरराष्ट्रीय परिस्थितियों के कारण गंभीर आर्थिक चुनौतियों के मुकाबिल है, बैंकिंग सेक्टर से जुड़ी एक अतिरिक्त समस्या का बोझ उठाने की स्थिति में वह नहीं होगा। बैंक के चेयरमैन अतनु चक्रवर्ती ने पिछले हफ्ते अपने पद से इस्तीफा देते हुए कहा कि इस संस्था के अंदर देखी गई कुछ 'प्रथा और घटनाएं' उनकी अपनी व्यक्तिगत नैतिकता से मेल नहीं खातीं। हालांकि उन्होंने बैंक के भीतर कोई ठोस समस्या होने से इनकार किया और फुर्ती दिखाते हुए भारतीय रिजर्व बैंक ने भी बैंक की वित्तीय स्थिति को लेकर लोगों को आश्वस्त करने की कोशिश की, मगर बाद की घटनाओं से साफ है कि उससे बात नहीं बनी है। नैतिक कारणों से चेयरमैन के इस्तीफा देने से साफ संकेत मिला कि बैंक का संचालन सही तरीके से नहीं हो रहा है। फिर दो दिन बाद ही बैंक ने अपने तीन वरिष्ठ अधिकारियों को बर्खास्त कर दिया। उन पर एटी-1 बॉन्ड्स की अनुचित ढंग से बिक्री का आरोप लगाया गया है। मतलब यह कि जो बॉन्ड सुरक्षित निवेश बताकर बेचे गए, वे बाद में जोखिम भरे साबित हुए। एटी-1 उच्च जोखिम वाले बॉन्ड होते हैं, जिन्हें बैंकों की पूंजी संरचना मजबूत करने के लिए जारी किया जाता है। फिर इस घटनाक्रम के दौरान इस ओर भी ध्यान गया है कि बैंक में पिछले दो वर्षों में कम-से-कम छह वरिष्ठ अधिकारियों ने इस्तीफा दिया या बैंक से उनका संबंध विच्छेद हुआ। स्पष्टतः ये घटनाएं बैंक की पारदर्शिता पर सवाल उठाती है। इसीलिए चक्रवर्ती के इस्तीफे के बाद से बैंक के शेयरों में लगातार गिरावट दर्ज की गई। तो साफ है कि निवेशकों सहित अन्य हितधारकों के मन में अनेक संदेह तैर रहे हैं। इन्हें दूर करने का विश्वसनीय प्रयास अविलंब किया जाना चाहिए।

नाले से गैस निकालें और आत्मनिर्भर बनें

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ठीक कहा है कि भारत में गैस का या तेल का कोई संकट नहीं है। उन्होंने अपने मंत्रियों और अन्य नेताओं से कहा कि वे जनता के बीच जाएं और उनको बताएं कि तेल और गैस का संकट नहीं है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि पूरे आत्मविश्वास के साथ बताएं कि कोई संकट नहीं है। चार मंत्रालयों के वरिष्ठ अधिकारियों ने भी गुरुवार को साझा प्रेस कॉन्फ्रेंस करके भी यही कहा कि तेल और गैस का कोई संकट नहीं है। अब असली बात क्या है? असली बात तेल या गैस का संकट नहीं है, बल्कि असली बात आत्मविश्वास है। देश तेल या गैस से नहीं आत्मविश्वास से चलता है। अगर आत्मविश्वास है कि तेल और गैस का कोई संकट नहीं है तो इसका मतलब है कि कोई संकट नहीं है।

देश के जो लोग गैस एजेंसियों के सामने कतार लगा कर खड़े हैं, धक्के खा रहे हैं, गैस की बुकिंग नहीं कर पा रहे हैं, जो होटल और रेस्तरां बंद हो रहे हैं, कैंटीन्स बंद की जा रही हैं, हवाई किराया बढ़ाया जा रहा है, अयोध्या की राम रसोई बंद हुई है, सुप्रीम कोर्ट और कांग्रेस मुख्यालय की कैंटीन में कैटरिंग का काम सीमित किया गया है, आईआरसीटीसी के

बारे में कहा जा रहा है कि वह कैटरिंग में कटौती करने वाला है, यह सब असल में एक साजिश है, जो सरकार को बदनाम करने वाले लोगों ने रची है। यह भी कह सकते हैं कि अमेरिका वाले जॉर्ज सोरोस या उस तरह का कोई टूलकिट लगा है, जिसको भारत के विश्वगुरू बनने से चिढ़ है और वह इकोसिस्टम सरकार और देश को बदनाम करने के लिए इस तरह के काम करा रहा है। प्रधानमंत्री ने कहा भी कि कुछ लोगों का काम पैनिक फैलाना होता है। वहीं लोग गैस संकट को लेकर पैनिक फैला रहे हैं। अन्यथा, जब विश्वगुरू भारत के प्रधानमंत्री ने कह दिया कि तेल और गैस का संकट नहीं है तो लोगों को मान लेना चाहिए कि संकट नहीं है। जो नहीं मान रहे हैं वे देश विरोधी इकोसिस्टम के लोग हैं। ऐसे ही लोगों ने नोटबंदी के समय कतार में लग कर और कोरोना के समय ऑक्सीजन की कमी बता कर जान दी थी और देश की छवि बिगाड़ी थी और अब गैस एजेंसियों के सामने कतार लगा कर सरकार की छवि बिगाड़ रहे हैं। उनको पता ही नहीं है कि सरकार के पास इतने गैस के सिलेंडर भरे हुए हैं कि राह चलते लोगों को पकड़ पकड़ कर सिलेंडर दिया जा रहा है। कुछ देशद्रोही किस्म के लोग ही इस बात का मुद्दा बना रहे हैं कि सरकार ने शहरों में गैस की बुकिंग का समय 20 दिन से बढ़ा कर 25 दिन कर दिया और गांवों में 45 दिन से पहले बुकिंग नहीं करने का नियम बनाया है। यह तो सरकार ने लोगों की सुविधा के लिए किया गया है। इसी तरह घरेलू रसोई गैस के सिलेंडर की कीमत में 60 रुपए और कॉमर्शियल सिलेंडर में 115 रुपए की जो बढ़ोतरी की गई है वह तो इसलिए की गई है ताकि लोग देश के विकास में ज्यादा योगदान कर सकें।

इसलिए लोगों की अपने कानों और अपनी आंखों पर भरोसा नहीं करना चाहिए। उनको वह देखना और सुनना चाहिए, जो सरकार कह रही है। प्रधानमंत्री कह रहे हैं। देश के विदेश मंत्री और पेट्रोलियम मंत्री कह रहे हैं। सब एक ही बात कह रहे हैं कि कोई संकट नहीं है। तेल के भंडार लबालब भरे हुए हैं और जिस देश में हर दूसरा व्यक्ति डॉक्टर के यहां जाकर कहता हो कि डॉक्टर साहेब गैस बन रही है, उस देश में गैस की कमी भला कैसे हो सकती है! बाकी इसके बावजूद अगर किसी को गैस की किल्लत महसूस हो रही है तो सरकार ने कोयला को विकल्प के तौर पर आजमाने के लिए कह दिया है। कोयले की तो कमी देश में है नहीं। अगर उसकी भी कमी मिले तो लकड़ी का चुल्हा आजमाया जा सकता है। लोगों को यह भी तो समझना चाहिए कि आत्मनिर्भर भारत में वे कब तक सरकार और दूसरे देशों पर निर्भर रहेंगे। अपनी लकड़ी काटें, अपना कोयला निकालें और काम चलाएं। नाले से गैस निकालें और आत्मनिर्भर बनें।

जरूरतों तक विकास

विकास महज योजना नहीं, सतत प्रयास की निरंतरता है। योजनाएं तो हिमाचल में बनती और बिगड़ती हैं, लेकिन विकास के बही खाते सच्चे और सार्थक तभी होते, जब उद्देश्यों के गुणात्मक फलक पर संभावनाएं संबोधित हों। ऐसे में हिमाचल सरकार के तीन साल बनाम आने वाले चुनाव के दो साल के बीच अब बहस के मसौदे बदल रहे हैं। हिमकेयर योजना पर सदन की बहस में इससे क्या फर्क पड़ेगा कि घोटाला कितने करोड़ का है, लेकिन इसकी निरंतरता में आई गिरावट का जिक्र जरूर होगा। कुछ इसी तरह आखिरी सालों में आ रही परिवहन निगम की नई बसों से यातायात में क्या अंतर आएगा, इसके बजाय जिक्र यह कि सदन में मुद्दे ने अपनी आवश्यकता बताई। हिमाचल अपने विकास के मामले में कहीं आवश्यकता से अधिक, तो कहीं निरंतरता में कमजोर रहा है। नए स्कूलों की परिधि में विकास की आवश्यकता को पहचाना ही नहीं गया, नतीजतन स्कूलों को डिनोटिफाई करने का सिलसिला जारी है। बीस मार्च की अधिसूचना के अनुसार राज्य में शून्य छात्र संख्या के 36 सरकारी स्कूल डिनोटिफाई हो गए। कुछ यही हाल कालेज, मेडिकल कालेजों और विश्वविद्यालयों की संख्या बढ़ाने से भी हुआ। सरकार एड़ी चोटी का प्रयास करते हुए मेडिकल कालेजों में सुविधाएं बढ़ा रही है, लेकिन चिकित्सा का मूल आधार डिस्पेंसरी से शुरू होता है। यही आवश्यकता निजी क्षेत्र की उपलब्धि बन जाती है। हिमाचली मरीज के समीप मेडिकल कालेज हमेशा खड़ा नहीं होगा, बल्कि चिकित्सकीय निकटता के लिए अब डिस्पेंसरी, सिविल, क्षेत्रीय व जोनल अस्पतालों में तत्परता चाहिए। निजी अस्पताल अपनी कोशिश को इतना भरोसेमंद बना देते हैं कि मरीज इस एहसास को अंगीकार कर लेता है। विकास में समय और समय सीमा में विकास के अर्थ को हिमाचल में समझने की जरूरत है। उदाहरण के लिए, हिमाचल में पर्यटक सीजन शुरू है, तो इस समय को रेखांकित करने की तत्परता कहां है।

सदन में बहस के दौरान हर विधायक किसी न किसी तरह के विकास, योजनाओं या परियोजनाओं पर केंद्रित रहा, लेकिन किसने पर्यटन के रथ पर बैठ कर विकास की योजनाओं को इंगित किया। हमारा दस्तूर अब विकास की खिचड़ी है, चाहे इसमें वास्तविक सामग्री हो या न हो। एक सरकार भवन बनाती रही, तो दूसरी के आने के बाद मालूम हुआ कि इनमें से हजार बेकार हैं, लेकिन जहां आवश्यकता है वहां बनाती नहीं। धर्मशाला में एक दशक से बस स्टैंड का निर्माण प्रयासरत है, लेकिन बनता नहीं। यहां उस सतत प्रयास की तारीफ करें कि फिर भी एक स्वर्गीय नेता के नाम पूरा परिसर हो जाता है। इसी धर्मशाला में प्रदेश के पहले ट्यूलिप गार्डन के प्रस्ताव में दस करोड़ के करीब खर्च हो जाते, लेकिन आज तक एक भी फूल खिला नहीं। कान्वेंशन सेंटर देगची पर चढ़ी खिचड़ी हो गया, तो विकास से पहले जहां सींग उगते हैं, उन परियोजनाओं पर रहम कौन करेगा। हम किसी भाजपा के विधायक से सुनेंगे, तो विकास गुजरे जमाने की दास्तान है और सत्तारूढ़ दल के विधायक बताते रहेंगे कि कितने कोस चल चुके हैं। हमने स्मार्ट सिटी के तहत शिमला-धर्मशाला की जागीर खोद दी। शिमला के शृंगार में लोहे का इस्तेमाल किसके आंचल में छेद कर रहा है, यह देखने की फुर्सत नहीं।

आज का राशिफल

मेष: आज का दिन आपके लिए नई उमंगो से भरा रहने वाला है। आपका हंसमुख स्वभाव दूसरों की खुशी की वजह बनेगा। कहीं रुका हुआ पैसा आज आपको वापस मिलेगा, जिससे आर्थिक हालात में सुधार आएगा। आज अपने परिवार के साथ कहीं घूमने का प्लान बनाएंगे। बच्चे आज खेल-कूद प्रतियोगिता में भाग लेंगे। आज किसी अनुभवी व्यक्ति से मिलकर आपको अपनी कई समस्याओं का हल मिल जाएगा।

वृष - आज रुके हुए काम पूरे हो सकते है।। पैसों से जुड़ा आपने जो फैसला लिया था, आज उसके सुखद परिणाम मिल सकते है। इस राशि के स्टूडेंट्स के लिए आज का दिन बेहतर रहेगा आपको कुछ नई उपलब्धियां हासिल होंगी। आज आपकी पारिवारिक जिम्मेदारियां बढ़ेंगी। आज रचनात्मक कार्यों आपका रुझान बढ़ेगा। तरक्की के कुछ ऐसे मामले सामने आएंगे, जिसमें जीवनसाथी की सलाह आपके लिये फायदेमंद रहेगी।

मिथुन -आज का दिन आपके अनुकूल रहने वाला है। व्यावसायिक प्रगति के लिए आज का दिन अनुकूल है , धन लाभ हो सकते है। आज आप किसी भी पुरानी बातों में न उलझे। जो व्यापारी अपने कारोबार के सिलसिले में घर से बाहर जा रहे है उनके लिए धन लाभ के योग है। आज आपकी रुचि समाज सेवा में ज्यादा रहेगी। आज किसी ऐसे इंसान से मिलने की संभावना है जो बिजनेस में आपको लाभ दिलायेगा। आपके व्यक्तित्व से लोग प्रभावित होंगे। ऑफिस के किसी कार्य को पूरा करने में जल्दबाजी न करें।

कर्क - आज का दिन आपके लिए शानदार रहेगा। प्रभावशाली लोगों का सहयोग आपके उत्साह को दोगुना कर देगा। आज आप नया घर लेने का विचार करेंगे ,परिवार में इस पर विचार विमर्श करेंगे। परिवार में आज किसी सदस्य से छोटा-मोटा विवाद हो सकता है। बेहतर होगा आज बेवजह किसी के मामले बिना मांगे सलाह न दें बातों में दखल देने से बचें। बच्चे आज आपको अपनी उपलब्धियों से गर्व का अनुभव कराएंगे।

सिंह - आज आपका दिन मिला-जुला रहेगा। बिजनेस करने वाले लोग आज कोई बड़ा कदम उठाने से बचें। आज कोई पुराना विवाद सामने आ सकता है। संतान की शैक्षिक उन्नति होने की संभावना है ,पढ़ाई के प्रति उनकी गंभीरता बढ़ेगी। आज ठीक से योजना न बनाने के कारण आपका काफी समय खराब हो सकता है। इस राशि के स्टूडेंट्स के लिए आज का दिन बेहतर रहेगा आपको कुछ नई उपलब्धियां हासिल होंगी। आज आपकी पारिवारिक जिम्मेदारियां बढ़ेगी।

कन्या - आज आपका दिन फेवरेबल रहेगा। आप किसी काम में बेहतरीन परफॉर्मेंस देने के लिए कुछ नया करेंगे। धैर्य बनाए रखें सफलता अवश्य। पुराना अटका हुआ धन प्राप्त हो सकता है आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। आप स्वस्थ महसूस करेंगे। यदि आप निवेश करना चाहते है, तो किसी अनुभवी व्यक्ति की मदद अवश्य लें, अच्छे परिणाम प्राप्त होंगे। परिवार में किसी धार्मिक आयोजन की रूपरेखा बनेगी। किसी से उपहार मिल सकता है।

तुला - आज आपका दिन सामान्य रहेगा। आज आपकी कुछ चिंताएं आपके लिए रुकावटें बन सकती है। अनियमित दिनचर्या के कारण आलस्य और थकान हो सकती है। अपने काम को न टालें। बेहतर होगा समय से काम पूरा कर लें। ओवर कॉन्फिडेंस जैसी स्थिति बन सकती है, इससे बचकर रहें। आपके जीवनसाथी के कामकाज को लेकर व्यस्तता आपकी उदासी का कारण बन सकती है।

वृश्चिक - आज का दिन आपके लिए बेहतरीन रहने वाला है। जिंदगी का भरपूर लुत्फ उठाने के लिए अपनी महत्वाकांक्षाओं को काबू में रखें। आज मित्रों के सहयोग से रुके हुए काम पूरे हो सकते है। घर पर अचानक कोई मेहमान आ सकते है। शाम तक घर में किसी छोटी पार्टी का आयोजन कर सकते हो। पुराने दोस्तों से मिलने का मौका मिलेगा। आज आपको बिजनेस में बढ़िया मुनाफा होगा। कारोबारियों के लिए धन लाभ के योग बने हुए है।

धनु - आज का दिन आपके लिए व्यस्तता से भरा रहने वाला है। आज कार्यस्थल पर कार्यभार अधिक रहेगा। घर में बुजुर्गों का अधिकतर समय बच्चों के साथ व्यतीत होगा। आप सकारात्मक रहेंगे और आपके मन में कई उम्मीदें भी बनी रहेंगी , कुछ नया काम करने का सोचेंगे। अपने जीवन में अच्छा खासा सुधार कर सकते है। काम की पहले से योजना बनाना ज्यादा कारगर साबित होगा। करियर को लेकर लाभ मिलने वाला है।

मकर - आज दिन आपके लिए सकारात्मक रहने वाला है। आज आपके अटके हुए काम पूरे हो जाएंगे।आज कोई नया काम शुरू करने से बचें। इस राशि के छात्रों को आज अधिक मेहनत करनी की जरूरत है।। इस राशि के मीडिया से जुड़े लोगों को आज थोड़ी भागदौड़ करनी पड़ सकती है लेकिन सफलता अवश्य मिलेगी। आप अपने विचारों और भावनाओं की अभिव्यक्ति बहुत अच्छी तरह कर सकेंगे।

कुंभ - आज किस्मत आपके साथ रहेगी। आपकी सेहत अच्छी रहेगी। भौतिक सुख-सुविधाओं की ओर आपका रुझान बढ़ेगा। आपकी व्यक्तिगत समस्याएं हल होंगी। आज किसी भी काम के बारे में गहराई से विचार करेंगे, तो नतीजे आपके फेवर में आ सकते है। आज घर और ऑफिस दोनों ही जगह आपको संतुलन बनाए रखने की जरूरत होगी , आज घर की जरूरतों को नजरअंदाज न करें।

मीन राशि- आज के दिन आपका अधिकतम समय ध्यान और आध्यात्मिक कार्यों में बीतेगा है। शाम तक किसी धार्मिक आयोजन में भी जा सकते है। कामकाज से जुड़ी परेशानियां खत्म होंगी। साहित्य के छात्रों के लिए आज का दिन शानदार रहने वाला है बच्चों को माता पिता की ओर से कोई सरप्राइज मिल सकता है। पारिवारिक सदस्यों के बीच थोड़ी बहुत अनबन हो सकती है। माता- पिता का सहयोग प्राप्त होने का योग है। कामकाज के क्षेत्र में बड़े भाई का पूरा सहयोग मिलेगा।

वर्ग पहेली

बाएं से दाएं

1. राजद प्रमुख 6. रखवाला, रक्षा करने वाला 7. दयालु, रहम करने वाला (उ.) 10. युग्म, जोड़ा, एक राशि, एक फिल्म अभिनेता 13. कैदखाना, जेल, हिरासत 15. जानकी, जनकनंदिनी 17. व्यर्थ की बात, बकबक 18. नारी, स्त्री, महिला 21. विक्रय करना 22. वाणी, कथन, वादा 24. ताश में दस अंकों वाला पत्ता 25. नगर का, नागरिक, चतुर।

ऊपर से नीचे

1. बेफिक्र, निश्चिंत, जिसे कोई परवाह न हो 2. मूर्ति 3. दोस्त, प्रेमी 4. कुशल, विशेषज्ञ 5. बगुला 8. झुका हुआ, झुकाया गया, नत 9. इधर-उधर, पास पड़ोस 11. किस्मत, तकदीर, भाग्य 14. बंदर, मर्कट, कपि 16. शक्तिशाली, बलवान 18. संतान, संतति 19. अस्तबल, घुड़साल 20. राजी करना, रूठे हुए को प्रसन्न करना 23. सरिता, नदिया, नद।

शब्द सामर्थ्य क्रमांक362 का हल

मा	म	ला	■	सि	वा	य	■	कि
लि	■	चा	ह	त	■	म	म	ता
क	सू	र	■	म	ग	न	■	ब
■	र	■	■	■	द	■	■	■
क	मा	न	■	पा	र	स	■	स
मी	■	म	जा	ल	■	न	क	ली
ना	दा	न	■	ना	र	द	■	का
■	मि	■	■	■	तीं	■	■	■
सु	नी	ल	■	अ	धी	र	■	जी

सू-दोकू

	3		7				2	1
2				9		4		
	7		1				5	
		1		5		2		7
	5				4			
		4		1		8		5
					1			
1		5		3		9		
	2		6		5		1	

नियम

1. कुल 81 वर्ग हैं,जिसमें वर्गों का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक भर सकते हैं।
3. बाएं से दाएं और ऊपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और ग्रिड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते हैं।

सू-दोकू क्र.362 का हल

8	9	5	1	6	3	2	4	7
3	2	1	9	7	4	8	6	5
4	7	6	2	5	8	3	9	1
7	6	9	5	2	1	4	3	8
1	8	3	4	9	7	6	5	2
2	5	4	8	3	6	1	7	9
5	3	8	7	4	2	9	1	6
6	1	7	3	8	9	5	2	4
9	4	2	6	1	5	7	8	3

टूटेगा ट्रंप का दंभ

कमोबेश अमरीकी राष्ट्रपति ट्रंप का गुरूर, उनका दंभ, अहंकार, उनकी सनक, सभी टूटने चाहिए। एक राष्ट्रपति की 'कब्जेबाजी मानसिकता' ने दुनिया को गरीबी, महंगाई, मंदी और अंततः भुखमरी के कगार पर लाकर पटक दिया है। ईरान युद्ध में राष्ट्रपति ट्रंप के मंसूबे और मकसद चकनाचूर हो चुके हैं। बेशक अमरीका-इजरायल के हवाई हमलों ने ईरान की हजारों इमारतें, कल-कारखाने, सैन्य मुख्यालय, शस्त्रागार, 30 विश्वविद्यालय, शहर-दर-शहर मिट्टी-मलबा कर दिए हों, लेकिन ईरान अब भी युद्ध-मैदान में खड़ा है, लड़ रहा है। उसने होर्मुज जलडमरूमध्य मार्ग पर अपना पूरा कब्जा कर वैश्विक अर्थव्यवस्था को हिला दिया है और ऊर्जा-अकाल के हालात पैदा कर दिए हैं। अमरीका भी महंगाई से चिल्ला रहा है। जनता सड़कों पर आंदोलित है। फिर भी राष्ट्रपति ट्रंप चेतावनी दे रहे हैं कि यदि 6 अप्रैल तक होर्मुज नहीं खुला और ईरान ने डील नहीं की, तो ईरान पर कहर बरपेगा। ईरान इन धमकियों से नहीं डरता, बल्कि उसने अमरीका के एक ही दिन में 10 लड़ाकू विमान, हेलीकॉप्टर, ड्रोन आदि मार गिराए। एक अमरीकी पायलट लापता हो गया था, जो अब सुरक्षित मिल गया है। अब ईरान के आसमान पर ईरान का ही कब्जा है। अमरीकी लड़ाकू विमान 'एफ' श्रेणी के हैं, जिन्हें अमरीकी वायु-शक्ति की रीढ़ माना जाता रहा है। दुनिया अभी तक उन्हें 'अजेय' और संहारक मानती रही थी। उनमें परमाणु क्षमताएं भी हैं और वे दुश्मन के रडार को 'चकमा' देने में भी माहिर माने जाते रहे हैं। कहा जा रहा है कि ईरान ने अपनी वायु रक्षा प्रणाली की मिसाइलों से अमरीकी विमानों को धूल चटाई है। यह ईरान की वायु रक्षा प्रणाली है अथवा रूस की एस-400 को 'ईरानी नाम' दिया गया है? विमानों का तो अहंकार धराशायी हो चुका है, लेकिन अमरीका के पेंटागन ने भी स्वीकार किया है कि ईरान युद्ध में उसके 365 सैनिक घायल हुए हैं, जबकि 13 सैनिक मारे जा चुके हैं। घायल सैनिकों में 247 तो थलसेना के हैं, जबकि अमरीका ने विधिवत रूप से जमीनी ऑपरेशन की शुरुआत अभी करनी है। बहरहाल राष्ट्रपति ट्रंप को अपनी सुरक्षा-टीम के साथ न केवल आपात बैठक करनी पड़ी, बल्कि उसने बिचौलियों के जरिए 48 घंटे के युद्धविराम की पेशकश भी की, जिसे ईरान हुकूमत ने खारिज कर दिया।

सही दिशा में कदम, 784 प्रावधानों में बदलाव से आसान होगा कारोबार

हाल ही में पारित जन विश्वास (प्रावधान संशोधन) विधेयक, 2026 से कारोबारी सुगमता में सुधार की उम्मीद है। विधेयक के जरिये 79 केंद्रीय कानूनों के 784 प्रावधानों में संशोधन किया गया। इनमें से 717 प्रावधानों की आपराधिकता समाप्त की गई है जबकि 67 में संशोधन का लक्ष्य जीवन को सहज बनाना है। ये संशोधन विभिन्न क्षेत्रों के तमाम कानूनों में किए गए हैं जिनमें औषधि एवं प्रसाधन अधिनियम 1940, फार्मेसी अधिनियम 1948 , खाद्य सुरक्षा और मानक अधिनियम 2006, नैदानिक प्रतिष्ठान (पंजीयन एवं विनियमन) अधिनियम 2010, राष्ट्रीय संबद्ध और स्वास्थ्य सेवा व्यवसाय आयोग अधिनियम 2021 तथा वाणिज्य, उद्योग, पर्यावरण और कराधान से संबंधित कई कानून शामिल हैं। विस्तृत उद्देश्य यह है कि छोटे प्रक्रियात्मक उल्लंघनों के लिए कारावास जैसी आपराधिक सजाओं को हटाकर क्रमबद्ध मौद्रिक दंड और अपील प्रावधानों के साथ एक ढांचागत न्याय निर्णय तंत्र स्थापित किया जाए। सरकार जिस समस्या को हल करना चाहती है वह बहुत व्यापक है। जैसा कि केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि करीब पांच करोड़ लंबित अदालती मामले मामूली अपराधों के हैं। इनमें से कई तो ऐसे हैं जिनमें अदालती हस्तक्षेप की जरूरत भी नहीं पड़नी चाहिए थी। सरकार ने संकेत दिया है कि इन संशोधनों की मदद से बड़ी संख्या में ऐसे मामले कम करने में मदद मिलेगी और उन्हें अदालतों से बाहर प्रशासनिक प्रणाली के जरिये सुधारा जा सकेगा। इससे वाद कम होंगे, अनुपालन लागत में कमी आएगी और कुल मिलाकर कारोबारी माहौल में सुधार होगा।

विधेयक की एक अन्य अहम विशेषता है तुरंत कदम उठाने के बजाय चरणबद्ध प्रवर्तन की शुरुआत। उदाहरण के लिए मशविरा नोटिस, चेतावनी और मौद्रिक जुर्माना आदि। यह सूक्ष्म, लघु और मझोले उपक्रमों के लिए खासतौर पर उपयुक्त है जिन्हें अक्सर जटिल अनुपालन जरूरतों को लेकर संघर्ष करना पड़ता है और जो मामूली अपराधों के लिए बने आपराधिक प्रावधानों के कारण परेशानी का सामना करते हैं। ध्यान देने वाली बात है कि जन विश्वास विधेयक कोई अलग-थलग सुधार नहीं है। यह गत एक दशक के उस व्यापक और निरंतर नीतिगत हस्तक्षेप का परिणाम है जिसके तहत देश में कारोबारी सुगमता के माहौल में सुधार किया जा सके। जन विश्वास अधिनियम 2023 के जरिये 42 केंद्रीय कानूनों के 183 प्रावधानों की आपराधिकता समाप्त की गई थी।

तमिलनाडु के विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी की भूमिका कितनी !

भारत दक्षिण में अरब सागर और हिन्दमहासागर को मिलाने वाले राज्य तमिलनाडु में 23 अप्रैल को विधानसभा चुनाव है।234 सदस्यीय विधानसभा चुनाव में मुख्य मुकाबला स्टालिन के नेतृत्व वाली डीएमके और स्व जयललिता की एआईडीएमके के बीच है।इस बार एआईडीएमके एनडीए के घटक बनकर, भारतीय जनता पार्टी के साथ चुनाव लड़ रही है। भारतीय जनता पार्टी को 27 सीट पर चुनाव लड़ना है।वही अभिनेता विजय की पार्टी एमडीएम अलग से सभी सीट पर चुनाव मैदान में है।

तमिलनाडु भारतीय जनता पार्टी के लिए अभी भी दूर की कौड़ी है। यद्यपि उपराष्ट्रपति सी पी राधाकृष्णन यहीं से आते हैं वे कोयम्बतूर से दो बार 1998,99 में सांसद निर्वाचित हुए थे।2014 में एक राधाकृष्णन भी कन्याकुमारी से सांसद रहे हैं। लेकिन विधानसभा चुनाव में खाता नहीं खुला है।केरल की तरह यहां पर भी राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का कार्य है।

अगर इस बार के विधानसभा चुनाव की बात करे तो स्टालिन के साथ दस वर्ष की सत्ता विरोधी लहर है लेकिन स्टालिन अभी भी सबसे ज्यादा लोकप्रिय हैं। एआईडीएमके में कोई विशेष नेता नहीं है यद्यपि पनीर स्वामी, पानीसेलवम दोनों दावेदारी कर रहे हैं। भारतीय जनता पार्टी ने कहा है कि हम दोनों को स्वीकार करेंगे।

1966 से भाषाई आधार पर राज्यों के गठन में तमिल भाषा बोल ने वाले क्षेत्र को तमिलनाडु राज्य बनाया गया। इससे मद्रास प्रेसीडेंसी के सभी भाग समाहित किए गए। तत्कालीन समय में कांग्रेस के दिग्गज नेता कामराज नाडार मुख्यमंत्री बने लेकिन पेरियार नामक संत ने डीएमके की हिंदी भाषा के विरोध में राजनीत शुरू की। पेरियार के शिष्य अन्नादुरई ने डीएमके यानि द्रविड़ मुनेत्र कड़गम,ये शब्द तमिल भाषा से लिया गया है। इसका अर्थ है कि तमिलनाडु राज्य आंदोलन जो पेरियार ने शुरू किया था।दरअसल तमिलनाडु भारत का एक ऐसा राज्य है जो दक्षिण भारत का लीडर है।तमिल ,तेलगु, मलयालम, और कन्नड़ ये ऐसी भाषाएं हैं जो संस्कृत से बनी यद्यपि इनकी लिपि देवनागरी नहीं है लेकिन संस्कृत ही त्रेता युग से जुड़ी है। तमिल नाडु में रामेश्वरम है जहां भगवान शिव पधारे हैं कहते हैं कि रामेश्वरम में भगवान श्री राम ने रावण को हराने के लिए यज्ञ किया था और शिव लिंग की स्थापना की थी , तमिलनाडु में ही मीनाक्षीपुरम मंदिर है जहां भगवान् विष्णु लक्ष्मी माता के साथ बिराजी है।

डीएमके के लोग कवि त्रिवल्लूर को मानते हैं।डीएमके के प्रमुख रहे स्व करुणानिधि हिंदू देवी देवताओं को नहीं मानते थे।वे राज्य के जीवन में कई बार मुख्यमंत्री रहे अब उनके पुत्र स्टालिन मुख्यमंत्री है । करुणानिधि ने पेरियार के हिन्दी भाषा विरोध को कायम रखा।अब स्टालिन भी उन्हीं के पद चिन्हों पर है । स्व करुणानिधि से अलग होकर सिने अभिनेता एम जी रामचंद्रन ने एआईडीएमके बनाई वे कई बार मुख्यमंत्री रहे उनके बाद विरासत में जयललिता मुख्यमंत्री बनी।वे तमिलनाडु की जन नेता थी। लेकिन 2021 में स्टालिन मुख्यमंत्री बने ।2026 विधानसभा चुनाव में डीएमके तमिल भावनाओं को लेकर चुनाव में है ।जबकि एआईडीएमके एनडीए से मिलकर महंगाई, भ्रष्टाचार,को मुद्दे पर चुनाव मैदान में है।

भारतीय जनता पार्टी अभी जल्दी में नहीं है वह अभी कोई अपना लीडर तलाश रही है। हालांकि 27 सीट पर चुनाव मैदान में है क्योंकि एआईडीएमके के साथ है।

इश्क में डूबे लक्ष्य-अनन्या, चांद मेरा दिल की पहली झलक आई सामने

एक्टर लक्ष्य और अनन्या पांडे को लेकर करण जौहर चांद मेरा दिल बना रहे हैं। धर्मा प्रोडक्शंस ने आज सोमवार को इस फिल्म की पहली झलक साझा की है। बीते दिन उन्होंने एक सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए जानकारी दी थी कि वे आरव (लक्ष्य) और चांदनी (अनन्या पांडे) से मिलवाएंगे। आज उन्होंने फिल्म के पोस्टर्स रिलीज किए हैं, साथ ही कहानी की थोड़ी झलक भी दी है।

धर्मा प्रोडक्शंस के इंस्टाग्राम अकाउंट से पोस्ट शेयर किया गया है। इसके साथ फिल्म से जुड़े कई पोस्टर रिलीज किए गए हैं, जिनमें लक्ष्य और अनन्या रोमांटिक लुक में दिख रहे हैं। हर पोस्टर पर फिल्म की कहानी का मर्म लिखा है। इसमें लिखा है, प्यार में पड़ना आसान है। आगे बढ़ना मुश्किल है। जिंदगी जब सिलेबस बदल देती है। जब जिंदगी प्यार से भी तेज भागती है। हर मोहब्बत को दूसरा मौका नहीं मिलता।

इसके साथ कैप्शन लिखा है, पेश है एक प्रेम कहानी, जहां...जिंदगी प्यार से भी तेज चलती है। बता दें कि चांद मेरा दिल सिनेमाघरों में 22 मई, 2026 को रिलीज होगी।

पोस्टर्स पर नेटिजंस रिएक्ट कर रहे हैं। एक दिन पहले जिस अंदाज में एलान किया गया था, उसके हिसाब से अधिकांश यूजर्स टीजर की उम्मीद लगाए बैठे थे। यूजर्स लिख रहे हैं, टीजर कब आएगा? पोस्टर्स को मिली-जुली प्रतिक्रिया मिल रही है। लक्ष्य को नेटिजंस सकारात्मक रिएक्शन दे रहे हैं, वहीं अनन्या को ट्रोल किया जा रहा है। इतना ही नहीं, यूजर्स लक्ष्य को सुझाव दे रहे हैं कि वे अनन्या से दुर रहें। कुछ यूजर्स फिल्म के प्रति उत्साह जाहिर कर रहे हैं।

इन 5 टिप्स की मदद से सालों तक चलेगा आपका फ्रिज, बार-बार रिपेयर करवाने की नहीं पड़ेगी जरूरत

मार्च 2026 के अंत में उत्तरी और मध्य भारत के कई हिस्सों में भीषण गर्मी ने दस्तक दे दी है, और तापमान सामान्य स्तर से काफी ऊपर चला गया है. आने वाले दिनों में तापमान में और बढ़ोतरी होने की चेतावनी जारी की गई है, जिससे भीषण गर्मी और लू चलने जैसी स्थितियां पैदा हो सकती हैं. नतीजतन, लोग अपने रेफ्रिजरेटर का इस्तेमाल न केवल खाने-पीने की चीजों को सुरक्षित रखने के लिए कर रहे हैं, बल्कि पीने के पानी को ठंडा रखने के लिए भी कर रहे हैं.वैसे तो घरों में साल के ज्यादातर समय रेफ्रिजरेटर का इस्तेमाल होता ही है, लेकिन गर्मियों के मौसम में इसके बिना किचन के काम-काज संभालना लगभग नामुमकिन हो जाता है. इसलिए, इस उपकरण का ठीक से रखरखाव करना और इसका सही तरीके से इस्तेमाल करना बहुत जरूरी है. अगर आप गर्मियों के मौसम में रेफ्रिजरेटर का इस्तेमाल कर रहे हैं और चाहते हैं कि यह लंबे समय तक चले (खास तौर पर यह सुनिश्चित करना चाहते हैं कि गर्मी के मौसम में यह बिल्कुल भी खराब न हो) तो आज हम आपके साथ कुछ ऐसे टिप्स शेयर करने जा रहे हैं, जो आपके फ्रिज को लंबे समय तक बिना किसी परेशानी के काम करने में मदद करेंगे...

फ्रिज के दरवाजे की रबर सील बदलें- अगर आप चाहते हैं कि आपका फ्रिज लंबे समय तक चले और उसमें कोई खराबी न आए, तो हर 12 महीने में इसके डोर पर लगी रबर सील की जांच करें. अगर वह ढीली हो जाए या कहीं से फट जाए, तो उसे बदल दें. अगर आप फ्रिज की रबर सील नहीं बदलते हैं, तो यूनिट पानी को ठीक से ठंडा नहीं कर पाएगी, और इससे कंप्रेसर पर भी बहुत अधिक जोर पड़ेगा. फ्रिज की रबर सील (गैस्केट) खराब होने पर ठंडी हवा बाहर निकलती है और गर्म हवा अंदर आती है, जिससे कूलिंग कम हो जाती है और कंप्रेसर पर लगातार दबाव पड़ता है. इससे बिजली का बिल बहुत बढ़ जाता है, फ्रिज के अंदर बर्फ जम सकती है और यहां तक कि कंप्रेसर जल सकता है.

कंडेंसर कॉइल्स को साफ करें- अपने फ्रिज को खराब होने से बचाने के लिए, इसके कंडेंसर कॉइल्स को साल में कम से कम दो बार साफ करना चाहिए. इससे फ्रिज की लगभग 70 प्रतिशत आम समस्याएं हल हो जाती हैं. असल में, कॉइल्स और पंखे पर धूल जमने से कंडेंसर ठीक से काम करना बंद कर देता है, जिसके कारण कूलिंग ठीक से नहीं हो पाती. वहीं यदि आपके घर में पालतू जानवर हैं, तो हर 2-3 महीने में सफाई करें, क्योंकि उनके बाल कॉइल्स को जल्दी बंद कर सकते हैं.

फ्रीजर के वेंट्स साफ करें- फ्रीजर के वेंट्स को साफ न करने से कूलिंग से जुड़ी समस्याएं हो सकती हैं. इसे समस्या से को रोकने के लिए, वेंट्स को साफ रखना बेहद जरूरी होता है, वेंट्स को साफ रखने से फ्रीजर के अंदर सही वेंटिलेशन बना रहता है और, इसके अलावा, इलेक्ट्रिसिटी बचाने में भी मदद मिलती है.

रेफ्रिजरेटर का तापमान 38 से 42 डिग्री फारेनहाइट के बीच रखें- अपने रेफ्रिजरेटर का तापमान हमेशा 38 से 42 डिग्री फारेनहाइट के बीच बनाए रखें. इसके अलावा, तापमान कंट्रोल सेटिंग्स पर नियमित रूप से नजर रखें और यह सुनिश्चित करें कि यूनिट में जरूरत से ज्यादा सामान न भरा हो. इन उपायों का पालन करके आप अपने रेफ्रिजरेटर को खराब होने से बचा सकते हैं.

रेफ्रिजरेटर को डीफ्रॉस्ट करें- अपने रेफ्रिजरेटर को नुकसान से बचाने के लिए, समय-समय पर उसे डीफ्रॉस्ट करते रहें. डीफ्रॉस्ट करने से यूनिट के अंदर बर्फ जमने से बचाव होता है और बिजली की खपत कम करने में भी मदद मिलती है. रेफ्रिजरेटर को डीफ्रॉस्ट करने के लिए, सबसे पहले उसकी बिजली बंद कर दें और उसमें से सारा सामान निकाल लें. दरवाजा खुला छोड़ दें या बर्फ पिघलाने के लिए उसके अंदर गर्म पानी का एक कटोरा रख दें।

पिंक साड़ी में कियारा आडवाणी ने उड़ाए होश, ग्लैमरस अवतार ने बढ़ाया तापमान

एनएमएसीसी के तीसरे एनिवर्सरी में बॉलीवुड के कई सितारे पहुंचे, लेकिन कियारा आडवाणी के लुक ने सबका ध्यान खींच लिया. कियारा अपने पति और एक्टर सिद्धार्थ मल्होत्रा के साथ इस इवेंट में नजर आईं. पिंक साड़ी में उनका ग्रेसफुल अंदाज और खूबसूरत मुस्कान फैंस को बहुत पसंद आ रहा है. कियारा ने अपने इस शानदार लुक की तस्वीरें सोशल मीडिया पर शेयर की, जो अब तेजी से वायरल हो रही हैं.

कियारा ने अपने बालों को सॉफ्ट वेव्स के साथ खुला रखा, जो उनके पूरे लुक को बहुत एलिगेंट बना रहा है. साथ ही साइड पार्टिंग के साथ उनका हेयरस्टाइल बहुत नेचुरल और ग्रेसफुल है. उन्होंने अपने लुक के साथ एक स्टाइलिश चोकर नेकलेस चुना, जिसमें पर्ल और गोल्डन टच है. इसके साथ मैचिंग ईयररिंग्स ने उनके पूरे लुक को क्लासी और रॉयल बना दिया. कियारा का ब्लाउज बहुत स्टाइलिश है. गोल्डन एम्ब्रॉयडरी के साथ स्लीवलेस डिजाइन और डीप नेकलाइन ने उनके लुक को ग्लैमरस टच दिया है. उन्होंने पिंक कलर की साड़ी पहनी है, जिस पर गोल्डन एम्ब्रॉयडरी का काम किया गया है. हल्की साड़ी ने उनके पोज को बहुत ग्रेसफुल बना दिया है. कियारा का पूरा लुक सिंपल के साथ बहुत स्टाइलिश है. उन्होंने एक बैलेंस्ड और एलिगेंट लुक को चुना, जो किसी भी फेस्टिव या इवेंट के लिए परफेक्ट इंस्पिरेशन बन सकता है. उनका मेकअप बहुत सॉफ्ट और ग्लोइंग है. न्यूड लिपस्टिक, हल्का ब्लश और आई मेकअप ने उनके चेहरे पर नैचुरल ग्लो दिया, जो उन्हें अट्रैक्टिव बना रहा है. कियारा की स्माइल और पोज इस लुक की सबसे बड़ी खासियत है, कैमरे के सामने उनके एक्सप्रेशन पूरे लुक को और भी ज्यादा एलिगेंट बना रहे हैं.

धड़क की रिलीज के बाद डिप्रेशन में चली गई थीं जाह्नवी कपूर, खुद किया खुलासा, बोलीं- 'लगा कि लोग नफरत करते हैं'

जाह्नवी कपूर आज बॉलीवुड की मोस्ट टैलेंटेड यंग एक्ट्रेसेस में से एक हैं. हालांकि उन्होंने जब बॉलीवुड में बुरे हालात में कदम रखा था. दरअसल उनकी पहली फिल्म 'धड़क' उनकी मां श्रीदेवी की मौत के कुछ ही महीनों बाद रिलीज़ हुई थी. जाह्नवी ने अब खुलास किया है कि अपनी पहली फिल्म रिलीज होने के बाद वह डिप्रेशन में चली गई, उन्हें लगा कि लोग उनसे नफरत करते हैं. बता दें कि राज शमनी के पॉडकास्ट में जाह्नवी कपूर ने अपने शुरुआती दिनों और बॉलीवुड में अपने डेब्यू के बारे में बताया. जाह्नवी ने 2018 में ईशान खट्टर के साथ 'धड़क' से हिंदी सिनेमा मे डेब्यू किया था. पुराने दिनों को याद करते हुए, जान्हवी ने कहा, आप जानते हैं, जब भी कोई मुझसे मेरी पहली फिल्म, धड़क के बारे में बात करता है, तो वे कहते हैं, 'वह उसमें बहुत अच्छी थी' या 'हमें धड़क पसंद आई' और 'तुमने बहुत पैसा कमाया'... लेकिन धड़क की मेरी यादें बहुत अलग थीं. धड़क के बाद मैं डिप्रेस्ड हो गई थी. मुझे लगा हो गया और पैकअप हो गया. लोग मुझसे नफरत करते हैं.

एक्ट्रेस ने आगे कहा, मुझे अपनी जिंदगी में सारा वैलिडेशन अपनी मां से मिला. वह चली गईं तो मैंने सोचा, ठीक है, मैं इसे ऑडियंस पर डाल दूंगी. और मुझे उम्मीद थी कि सब लोग मुझे अपना लेंगे, जो मुझे नहीं पता था कि होता नहीं है. मैं सिर्फ नेगेटिव बातों पर ध्यान दे रही थी. मैंने इस बात पर ध्यान नहीं दिया या यह भी नहीं माना कि यह बहुत... मुझे लगता है कि सैयारा तक यह नए लोगों के साथ सबसे ज्यादा कमर्शियली सफल फिल्म थी. मुझे यह भी समझ नहीं आया कि यह हिट थी. मुझे बस इतना पता था कि मैं बेकार हूं और लोग मुझसे नफरत करते हैं... क्योंकि मैंने सिर्फ नेगेटिविटी देखी, और वही मेरी असलियत बन गई. जाह्नवी कपूर और ईशान खट्टर स्टारर धड़क' का निर्देशन शशांक खेतान ने किया था और ये करण जौहर के सपोर्ट में बनी थी. ये फिल्म 2016 की मराठी फिल्म सैराट की रीमेक थी, और इसने बॉक्स ऑफिस पर लगभग 110.11 करोड़ कमाए थे. जान्हवी ने गुंजन सक्सेना, घोस्ट स्टोरीज, रूही और गुड लक्की जेरी जैसी अलग-अलग फिल्मों में काम किया. वह हाल ही में शशांक खेतान के डायरेक्शन में बनी रोमांटिक कॉमेडी सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी में नजर आई थी जिसमें वरुण धवन, सान्या मल्होत्रा और रोहित सराफ उनके साथ थे. 2025 में रिलीज हुई यह फिल्म बॉक्स-ऑफिस पर ठीक-ठाक सफल रही, इसने 80 करोड़ के प्रोडक्शन बजट पर दुनिया भर में 100 करोड़ कमाए थे. जाह्नवी की अपकमिंग फिल्मों की बात करें तो वे जल्द ही राम चरण के साथ तेलुगु फिल्म पेद्दी में नज़र आएंगी, जो इस साल के आखिर में रिलीज होगी.

6 करोड़ लागत और कमाई 50 करोड़ के पार, धुरंधर 2 के आगे फिल्म 'यूथ' कर रही छप्पर फाड़ कमाई

बॉक्स ऑफिस पर इन दिनों रणवीर सिंह की सीक्वल फिल्म 'धुरंधर 2' राज कर रही है. इस फिल्म के साथ ही 19 मार्च को एक और साउथ की मामूली बजट में बनी फिल्म 'यूथ' भी रिलीज हुई थी. दिलचस्प बात ये है कि 'धुरंधर 2' की सुनामी के आगे 'यूथ' न केवल बॉक्स ऑफिस पर अपनी पकड़ मजबूत बनाए हुए है बल्कि शानदार कमाई भी कर रही है. यहां तक की तीसरे वीकेंड पर भी इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर खूब नोट छाप हैं. यहां 'यूथ' का अब तक का कलेक्शन जान सकते हैं.

'यूथ' में केन करुणास ने लीड रोल प्ले किया है और ये फिल्म बॉक्स ऑफिस पर जबरदस्त परफॉर्म कर रही है. इस फिल्म ने अपने तीसरे वीकेंड में कमाई में काफी बढ़ोतरी देखी. सैकनिल्क के मुताबिक, 16वें दिन (तीसरे शुक्रवार) यूथ ने लगभग 1.85 करोड़ कमाए, जिससे वीकेंड के लिए बेस तैयार हो गया. इसके बाद 17वें दिन (तीसरे शनिवार) को कलेक्शन में थोड़ा सुधार हुआ और इसने लगभग 1.92 करोड़ कमाए.

सबसे बड़ा उछाल 18वें दिन (तीसरे रविवार) को आया, जब फिल्म ने लगभग 2.00 करोड़ कमाए. वीकेंड में हुई कमाई के साथ, 'यूथ' ने अब शानदार नंबर हासिल कर लिए हैं. फिल्म का टोटल इंडिया ग्रॉस कलेक्शन लगभग 55.52 करोड़ है, जबकि इंडिया नेट लगभग 48.39 करोड़ हो गया है. ये फिल्म इंटरनेशनल लेवल पर भी काफी अच्छा परफॉर्म कर रही है. 18वें दिन इंटरनेशनल लेवल पर इसने 0.15 करोड़ और जोड़े जिससे इसका इंटरनेशनल आंकड़ा 11.00 करोड़ हो गया. अब, फिल्म का वर्ल्डवाइड आंकड़ा 66.52 करोड़ है. ये तमिल मूवी बॉक्स ऑफिस पर बड़ी सफल रही. खास बात ये है कि इसे कम बजट में बनाया गया था इसकी कास्ट में कोई स्टार चेहरा भी नहीं था.

बता दें कि यूथ ने अपने होम मार्केट में सबसे अच्छा परफॉर्म किया, जहां इसने लगभग 42.25 करोड़ कमाए. मूवी को कर्नाटक से लगभग 3.75 करोड़ मिले, जबकि तेलुगु राज्यों ने 3.75 करोड़ के कलेक्शन के साथ कंट्रीब्यूशन दिया. बाकी इंडियन मार्केट ने टोटल टैली में लगभग 1.25 करोड़ का कंट्रीब्यूशन दिया है.

इस कॉमेडी ड्रामा 'यूथ' में केन करुणास के अलावा सूरज वेंजरामूडु, देवदर्शिनी, अनिख्मा अनिलकुमार, प्रियांशी यादव और मीनाक्षी दिनेश जैसे कलाकार भी अहम रोल में है. केन करुणास ने इस फिल्म को डायरेक्ट भी किया है.

रिलीज हुआ टोस्टर का ट्रेलर, कंजूसी की हद पार करते नजर आए राजकुमार राव

राजकुमार राव और सान्या मल्होत्रा स्टारर अपकमिंग फिल्म टोस्टर का ट्रेलर रिलीज हो गया है। यह फिल्म डार्क कॉमेडी है। ट्रेलर में एक ऐसी कहानी की झलक मिलती है जो आम लोगों से जुड़ी है। दो मिनट 42 सेकंड के ट्रेलर में ऐसे शख्स की कहानी दिखाई गई है जो बहुत कंजूस है। वह अपनी कंजूसी की वजह से मुसीबत में पड़ जाता है। ट्रेलर की शुरुआत राजकुमार को दिखाने से होती है। वह छोटी-छोटी चीजों में पैसे बचाते हैं। एक करीबी की शादी में वह एक टोस्टर गिफ्ट देते हैं। बाद में शादी कैंसिल हो जाती है। इसके बाद राजकुमार राव उस परिवार से अपना गिफ्ट वापस मांगने वापस जाते हैं। टोस्टर वापस न मिलने की हालत में वह इसे चुरा लेते हैं। इसके बाद वह एक बड़ी मुसीबत में फंस जाते हैं। ट्रेलर में राजकुमार राव के साथ सान्या मल्होत्रा भी हैं। उन्होंने इसमें राजकुमार राव की पत्नी का रोल किया है। वह राजकुमार राव की कंजूसी की आदत से परेशान होती हैं। ट्रेलर में अभिषेक बनर्जी की भी झलक दिखी है। डार्क कॉमेडी फिल्म टोस्टर इसी महीने 15 तारीख को नेटफ्लिक्स पर रिलीज होने के लिए तैयार है। इसमें राव और मल्होत्रा के साथ अर्चना पूरन सिंह, अभिषेक बनर्जी, फराह खान, उपेंद्र लिमये, विनोद रावत, जितेंद्र जोशी और सीमा पाहवा भी हैं। इसके निर्देशक विवेक दास चौधरी हैं। यह काम्पा फिल्म के बैनर तले बनी है।

क्या आपको भी आता है बहुत ज्यादा पसीना ? अगर हां, तो यह किसी अंदरूनी समस्या का हो सकता है संकेत

पसीना आना (चाहे कसरत की वजह से हो या गर्मी के संपर्क में आने से) एक नेचुरल फिजिकल प्रोसेस है, जो शरीर के तापमान को कंट्रोल करती है (थर्मोरेगुलेशन) और शरीर को ठंडा रखती है. पसीने की ग्रंथियों से निकलने वाली नमी त्वचा से भाप बनकर उड़ जाती है, जिससे शरीर की अधिक गर्मी निकल जाती है. यह प्रोसेस दिल की धड़कन और मेटाबॉलिक एक्टिविटी में बढ़ोतरी से शुरू हो सकती है, जैसे कि फिजिकल एक्टिविटी के दौरान. हालांकि पसीना आना आम तौर पर जीवन का एक नॉर्मल हिस्सा है, लेकिन बहुत ज्यादा पसीना आना चिंता और शर्मिंदगी का कारण बन सकता है. इसे न तो नजरअंदाज किया जाना चाहिए और न ही इसे कोई छोटी-मोटी समस्या मानकर टाल देना चाहिए. जानिए क्यों...

पसीना क्यों आता है?

क्लीवलैंड क्लिनिक के अनुसार, पसीना एक नमकीन लिक्विड सब्सटेंस है जो त्वचा में मौजूद ग्रंथियां द्वारा शरीर के तापमान को एक हेल्दी लेवल पर बनाए रखने के लिए बनाया जाता है. यह शरीर को ज्यादा गरम होने से बचाता है और आपको सुरक्षित रूप से एक्सरसाइज करने, गर्मी में बाहर काम करने, या गर्म जलवायु में रहने में सक्षम बनाता है. हालांकि, कुछ हेल्थ कंडीशन दवाएं शरीर की सामान्य रूप से पसीना निकालने की क्षमता को प्रभावित कर सकती हैं. ऐसे में, यदि आपको ज्यादा पसीना आता है, तो यह इस बात का संकेत है कि आपको हाइपरहाइड्रोसिस की समस्या हो सकती है. हाइपरहाइड्रोसिस का अर्थ है बहुत ज्यादा पसीना आना, एक ऐसी स्थिति जो हमेशा गर्मी या शारीरिक मेहनत से जुड़ी नहीं होती. इस स्थिति के कारण आपको इतना ज्यादा पसीना आ सकता है कि आपके कपड़े पूरी तरह भीग जाएं या आपके हाथों से पसीना टपकने लगे. अत्यधिक पसीना आना आपकी रोजमर्रा की दिनचर्या को बाधित कर सकता है और सामाजिक चिंता व शर्मिंदगी का कारण बन सकता है.

बहुत ज्यादा पसीना आने के कारण

बहुत ज्यादा पसीना आने की समस्या का इलाज करना आम तौर पर फायदेमंद होता है. इलाज अक्सर पसीना कम करने वाले लोशन के इस्तेमाल से शुरू होता है. अगर इनसे आराम नहीं मिलता, तो आपको अलग-अलग दवाएं और थेरेपी आजमाने की जरूरत पड़ सकती है. गंभीर मामलों में, आपका डॉक्टर पसीने की ग्रंथियों को हटाने या बहुत ज्यादा पसीना आने के लिएजिम्मेदार नसों को काटने के लिए सर्जरी का सुझाव दे सकता है.

पसीना आने के फायदे

डिटॉक्स- आज के समय में, माइक्रोप्लास्टिक्स और प्रदूषण के कारण शरीर में कई तरह के जहरीले पदार्थ जमा हो रहे हैं. इनमें से कुछ जहरीले पदार्थ रोज नहाने से निकल जाते हैं. हालांकि, शरीर बाकी बचे कई जहरीले पदार्थों को पसीने के जरिए बाहर निकाल देता है. खास बात यह है कि पसीना उन जहरीले पदार्थों जैसे कि (सीसा, पारा, कैडमियम, आर्सेनिक और प्लास्टिक) को बाहर निकालता है, जो त्वचा की गहराई में जमा होते हैं. एक अध्ययन के अनुसार , रेगुलर पसीना आना शरीर से अतिरिक्त सूक्ष्म पोषक तत्व, मेटाबॉलिक प्रोसेस के बेकार उत्पादों और टॉक्सिन्स को बाहर निकालने सहित अन्य महत्वपूर्ण होमियोस्टैटिक कार्यों के लिए जिम्मेदार है. त्वचा की नमी के लिए जरूरी - बंद रोमछिद्रों को खोलने के लिए पसीना आना फायदेमंद होता है. इसके अलावा, यह त्वचा की रेस्पिरेटरी प्रोसेस को बेहतर बनाता है. ड्राई स्किन से पीड़ित लोगों के लिए पसीना आना फायदेमंद होता है. इससे त्वचा नमीयुक्त और हाइड्रेटेड रहती है. पसीना त्वचा को मुलायम बनाने में भी मदद करता है. सैर, योग और व्यायाम के दौरान पसीना आने से ब्लड सर्कुलेशन बढ़ता है और ऑक्सीजन की आपूर्ति बढ़ती है.

इन टिप्स की मदद से सालों तक चलेगा आपका फ्रिज, बार-बार रिपेयर करवाने की नहीं पड़ेगी जरूरत

मार्च 2026 के अंत में उत्तरी और मध्य भारत के कई हिस्सों में भीषण गर्मी ने दस्तक दे दी है, और तापमान सामान्य स्तर से काफी ऊपर चला गया है. आने वाले दिनों में तापमान में और बढ़ोतरी होने की चेतावनी जारी की गई है, जिससे भीषण गर्मी और लू चलने जैसी स्थितियां पैदा हो सकती हैं. नतीजतन, लोग अपने रेफ्रिजरेटर का इस्तेमाल न केवल खाने-पीने की चीजों को सुरक्षित रखने के लिए कर रहे हैं, बल्कि पीने के पानी को ठंडा रखने के लिए भी कर रहे हैं.

वैसे तो घरों में साल के ज्यादातर समय रेफ्रिजरेटर का इस्तेमाल होता ही है, लेकिन गर्मियों के मौसम में इसके बिना किचन के काम-काज संभालना लगभग नामुमकिन हो जाता है. इसलिए, इस उपकरण का ठीक से रखरखाव करना और इसका सही तरीके से इस्तेमाल करना बहुत जरूरी है. अगर आप गर्मियों के मौसम में रेफ्रिजरेटर का इस्तेमाल कर रहे हैं और चाहते हैं कि यह लंबे समय तक चले (खास तौर पर यह सुनिश्चित करना चाहते हैं कि गर्मी के मौसम में यह बिल्कुल भी खराब न हो) तो आज हम आपके साथ कुछ ऐसे टिप्स शेयर करने जा रहे हैं, जो आपके फ्रिज को लंबे समय तक बिना किसी परेशानी के काम करने में मदद करेंगे...

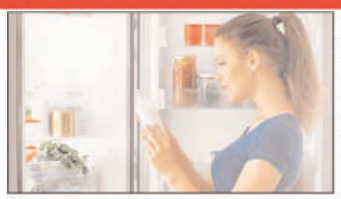

इन टिप्स का पालन करने से सालों तक बिना मरम्मत के चलेगा आपका फ्रिज....

फ्रिज के दरवाजें की रबर सील बदलें- अगर आप चाहते हैं कि आपका फ्रिज लंबे समय तक चले और उसमें कोई खराबी न आए, तो हर 12 महीने में इसके डोर पर लगी रबर सील की जांच करें. अगर वह ढीली हो जाए या कहीं से फट जाए, तो उसे बदल दें. अगर आप फ्रिज की रबर सील नहीं बदलते हैं, तो यूनिट पानी को ठीक से ठंडा नहीं कर पाएगी, और इससे कंप्रेसर पर भी बहुत अधिक जोर पड़ेगा. फ्रिज की रबर सील (गैस्केट) खराब होने पर ठंडी हवा बाहर निकलती है और गर्म हवा अंदर आती है, जिससे कूलिंग कम हो जाती है और कंप्रेसर पर लगातार दबाव पड़ता है. इससे बिजली का बिल बहुत बढ़ जाता है, फ्रिज के अंदर बर्फ जम सकती है और यहां तक कि कंप्रेसर जल सकता है.

कंडेंसर कॉइल्स को साफ करें- अपने फ्रिज को खराब होने से बचाने के लिए, इसके कंडेंसर कॉइल्स को साल में कम से कम दो बार साफ करना चाहिए. इससे फ्रिज की लगभग 70 प्रतिशत आम समस्याएं हल हो जाती हैं. असल में, कॉइल्स और पंखे पर धूल जमने से कंडेंसर ठीक से काम करना बंद कर देता है, जिसके कारण कूलिंग ठीक से नहीं हो पाती. वहीं यदि आपके घर में पालतू जानवर हैं, तो हर 2-3 महीने में सफाई करें, क्योंकि उनके बाल कॉइल्स को जल्दी बंद कर सकते हैं.

फ्रीजर के वेंट्स साफ करें- फ्रीजर के वेंट्स को साफ न करने से कूलिंग से जुड़ी समस्याएं हो सकती हैं. इसे समस्या से को रोकने के लिए, वेंट्स को साफ रखना बेहद जरूरी होता है, वेंट्स को साफ रखने से फ्रीजर के अंदर सही वेंटिलेशन बना रहता है और, इसके अलावा, इलेक्ट्रिसिटी बचाने में भी मदद मिलती है.

रेफ्रिजरेटर का तापमान 38 से 42 डिग्री फारेनहाइट के बीच रखें- अपने रेफ्रिजरेटर का तापमान हमेशा 38 से 42 डिग्री फारेनहाइट के बीच बनाए रखें. इसके अलावा, तापमान कंट्रोल सेटिंग्स पर नियमित रूप से नजर रखें और यह सुनिश्चित करें कि यूनिट में जरूरत से ज्यादा सामान न भरा हो. इन उपायों का पालन करके आप अपने रेफ्रिजरेटर को खराब होने से बचा सकते हैं.

रेफ्रिजरेटर को डीफ्रॉस्ट करें- अपने रेफ्रिजरेटर को नुकसान से बचाने के लिए, समय-समय पर उसे डीफ्रॉस्ट करते रहें. डीफ्रॉस्ट करने से यूनिट के अंदर बर्फ जमने से बचाव होता है और बिजली की खपत कम करने में भी मदद मिलती है. रेफ्रिजरेटर को डीफ्रॉस्ट करने के लिए, सबसे पहले उसकी बिजली बंद कर दें और उसमें से सारा सामान निकाल लें. दरवाजा खुला छोड़ दें या बर्फ पिघलाने के लिए उसके अंदर गर्म पानी का एक कटोरा रख दें. किसी भी नोकदार चीज का इस्तेमाल न करें. जब बर्फ पिघल जाए, तो पानी पोंछ लें, अंदर से बेकिंग सोडा से साफ करें, फिर उसे अच्छी तरह सुखा लें और रेफ्रिजरेटर को दोबारा चालू कर दें.

चुकंदर को लेकर लोगों के मन में हैं ये आम भ्रम, जानिए इनकी सच्चाई

चुकंदर को सबसे सेहतमंद सब्जियों में गिना जाता है। यह न केवल शरीर को पोषण देता है, बल्कि त्वचा को भी निखार देता है। हालांकि, इस सब्जी को लेकर लोगों में कई भ्रम फैले हुए हैं। इस लेख में हम कुछ आम भ्रमों की सच्चाई जानेंगे और समझेंगे कि चुकंदर का सेवन कैसे लोगों के लिए लाभकारी हो सकता है। इन भ्रमों की सच्चाई जानकर आप सही निर्णय ले पाएंगे और स्वस्थ रह सकेंगे।

भ्रम- चुकंदर का सेवन वजन बढ़ाता है

बहुत से लोग मानते हैं कि चुकंदर का सेवन वजन बढ़ाता है। यह एक गलत धारणा है, क्योंकि चुकंदर में कैलोरी कम होती है और फाइबर ज्यादा होता है। फाइबर पाचन तंत्र को स्वस्थ रखता है और पेट को लंबे समय तक भरा हुआ महसूस करवाता है, जिससे अनावश्यक खाने की इच्छा कम होती है। इसके अलावा चुकंदर में प्राकृतिक तत्व होते हैं, जो शरीर में रक्त संचार को बेहतर बनाते हैं और शरीर की ऊर्जा को बढ़ाते हैं।

भ्रम- चुकंदर का रंग मूड खराब करता है

कुछ लोग मानते हैं कि चुकंदर का रंग मूड खराब कर सकता है, खासकर जब यह दांतों या हाथों पर लग जाता है। हालांकि, यह सिर्फ एक भ्रम है। सही तरीके से धोने पर चुकंदर का रंग आसानी से हट जाता है। आप चाहें तो चुकंदर को छीलकर उसका रस निकाल सकते हैं, जिससे रंग की समस्या नहीं होगी। इसके अलावा चुकंदर में मौजूद पोषक तत्व आपके मूड को बेहतर बनाने में मदद कर सकते हैं।

भ्रम- चुकंदर खाने से पेट में गैस बनती है

चुकंदर खाने से गैस बनने का डर बहुत लोगों में होता है, लेकिन यह पूरी तरह गलत है। अगर आप संतुलित मात्रा में चुकंदर खाते हैं तो इससे गैस नहीं बनती। दरअसल, चुकंदर में प्राकृतिक तत्व होते हैं, जो रक्त संचार को बेहतर बनाते हैं और पाचन प्रक्रिया को आसान बनाते हैं। इसलिए, संतुलन में ही चुकंदर का सेवन करें, ताकि आप इसके सभी फायदों का आनंद ले सकें और गैस से बच सकें।

भ्रम- चुकंदर का सेवन हमेशा कच्चा ही करना चाहिए

कई लोग मानते हैं कि चुकंदर का सेवन हमेशा कच्चा ही करना चाहिए, ताकि इसके सभी लाभ मिल सकें। हालांकि, सच्चाई यह है कि कुछ पोषक तत्व पकाने पर भी बने रहते हैं और कुछ नए बन जाते हैं। कच्चे चुकंदर सलाद में अच्छे लगते हैं, जबकि भुने या उबले हुए चुकंदर सूप या पराठे में स्वादिष्ट लगते हैं। इसलिए, इसे अपनी पसंद और आवश्यकता अनुसार किसी भी रूप में खाया जा सकता है।

एक ही सांस में पानी पीना पड़ सकता है भारी, किडनी पर पड़ सकता है बुरा असर

भागदौड़ भरी जिंदगी में थकान होना लाजिमी है, लेकिन अक्सर देखा जाता है कि कई लोग थकान को मिटाने के लिए पानी की पूरी बोतल एक ही बार में खत्म कर देते हैं। खासकर युवा एक सांस में पूरा पानी पीने की आदत को मजेदार समझते हैं। स्वास्थ्य विशेषज्ञों की मानें तो यह आदत खतरनाक है। वैज्ञानिक रिसर्च के मुताबिक, हमारा शरीर पानी को धीरे-धीरे अवशोषित करता है। शरीर में मौजूद किडनी का काम खून को साफ करना और जरूरी तत्वों का संतुलन बनाए रखना होता है। किडनी के अंदर छोटे-छोटे फिल्टर होते हैं, जिन्हें नेफ्रॉन कहा जाता है। जब हम एकदम से बहुत ज्यादा पानी पी लेते हैं, तो किडनी पर अचानक अतिरिक्त दबाव पड़ता है। इस दबाव के कारण किडनी को पानी को फिल्टर करने में ज्यादा मेहनत करनी पड़ती है, जिससे लंबे समय में उसकी कार्यक्षमता प्रभावित हो सकती है।

विशेषज्ञों का कहना है कि एक बार में ज्यादा पानी पीना शरीर के इलेक्ट्रोलाइट संतुलन को भी बिगाड़ सकता है। शरीर में सोडियम और अन्य मिनरल्स का संतुलन बहुत जरूरी होता है। जब अचानक बहुत सारा पानी शरीर में पहुंचता है, तो यह संतुलन गड़बड़ा सकता है, जिससे चक्कर आना, कमजोरी या उल्टी जैसी समस्याएं हो सकती हैं। कुछ मामलों में यह स्थिति गंभीर भी हो सकती है, जिसे मेडिकल भाषा में वाटर इंटॉक्सिकेशन कहा जाता है।

इसके अलावा, पानी की कमी और गलत आदतें जैसे पेशाब को लंबे समय तक रोककर रखना भी शरीर के लिए नुकसानदायक है। जब कोई व्यक्ति बार-बार पेशाब रोकता है, तो इससे मूत्र मार्ग में बैक्टीरिया पनपने का खतरा बढ़ जाता है। यह धीरे-धीरे इंफेक्शन का रूप ले सकता है और अगर समय पर ध्यान न दिया जाए तो इसका असर किडनी तक पहुंच सकता है।

गर्मी के मौसम में लें अंगूर से बने इन व्यंजनों का मजा, मिलेगी ताजगी

अंगूर गर्मियों का एक स्वादिष्ट फल है, जिसमें कई जरूरी पोषक तत्व भी होते हैं। आमतौर पर लोग अंगूर का सेवन ऐसे ही करना पसंद करते हैं या फिर इसका जूस पीते हैं। हालांकि, क्या आप जानते हैं कि अंगूर से कई तरह के व्यंजन भी बनाए जा सकते हैं? इस लेख में हम आपको कुछ ऐसे अंतरराष्ट्रीय व्यंजनों की रेसिपी बताने वाले हैं, जो अंगूर से बनाए जाते हैं और गर्मियों के दौरान बहुत अच्छे लगते हैं।

अंगूर का शरबत - अंगूर का शरबत एक ताजगी भरा पेय है, जिसे आप गर्मियों में आसानी से बना सकते हैं। इसके लिए सबसे पहले कुछ ताजे हरे या काले अंगूर लें और उन्हें अच्छे से धो लें। अब इन्हें मिक्सी में पीसकर इनका ताजा रस बना लें, फिर इसमें नींबू का रस मिला दें। इसमें पुदीने की पत्तियां और थोड़ी-सी चीनी भी डाल दें। इसे ठंडा करके बर्फ डालकर परोसें। यह पेय न केवल स्वादिष्ट है, बल्कि सेहत के लिए भी फायदेमंद है।

अंगूर की चटनी - अंगूर की चटनी एक अनोखा व्यंजन है, जिसे आप अपने खाने के साथ परोस सकते हैं। इसे बनाने के लिए सबसे पहले कुछ ताजे अंगूरों को मैश कर लें, फिर इसमें बारीक कटा हुआ प्याज, टमाटर, हरी मिर्च और धनिया पत्ती मिलाएं। अब इसमें नमक, गरम मसाला और नींबू का रस डालकर अच्छी तरह मिलाएं। आप इसमें अपनी पसंद के कुछ अन्य मसाले भी मिला सकते हैं, जिससे स्वाद भी बेहतर हो जाएगा।

अंगूर की जेली - अंगूर की जेली एक तरह की मिठाई है, जिसे आप आसानी से बना सकते हैं। यह बच्चों को खास तौर से बहुत पसंद आती है। इसके लिए सबसे पहले कुछ ताजे अंगूरों का रस निकाल लें, फिर इस रस को चीनी और जिलेटिन पाउडर के साथ पकाएं। जब तक यह गाढ़ा न हो जाए तब तक इसे पकाते रहें। अब इस मिश्रण को ठंडा करके फ्रिज में जमने दें। जब यह पूरी तरह से जम जाए तो इसे काटकर परोसें।

अंगूर की आइसक्रीम - अंगूर की आइसक्रीम एक बेहतरीन मिठाई है, जिसे आप अपने परिवार के साथ बांट सकते हैं। इसे बनाने के लिए सबसे पहले कुछ ताजे अंगूरों का पेस्ट बना लें, फिर इसमें क्रीम और चीनी मिलाकर फ्रीजर में जमने दें। हर आधे घंटे बाद इसे निकालकर फेंटें, ताकि इसमें कोई बर्फ के कण न बने और यह मलाईदार हो जाए। जब यह पूरी तरह से जम जाए तो इसे परोसें। ऊपर से अंगूर के टुकड़े डालना न भूलें।

अंगूर का सलाद - अगर आप कुछ हल्का खाना चाहते हैं तो अंगूर का सलाद एक अच्छा विकल्प हो सकता है। इसके लिए सबसे पहले कुछ ताजे अंगूरों को काट लें, फिर इनमें कटा हुआ खीरा, टमाटर और प्याज मिलाएं। अब इस पर जैतून का तेल, नींबू का रस, नमक और काली मिर्च डालकर अच्छी तरह मिलाएं। यह सलाद न केवल स्वादिष्ट है, बल्कि गर्मी में पेट को ठंडा भी रख सकता है। इसके ऊपर से मेवे और बीज भी डाल दें।

ओवरसाइज टी-शर्ट के साथ पहनें ये तरह के बॉटम वियर, मिलेगा कूल लुक

ओवरसाइज टी-शर्ट गर्मियों में सभी की पसंदीदा बन जाती हैं और हमेशा ट्रेंड में रहती हैं। ये ढीली होने के कारन आराम देती हैं और एक फैशनेबल लुक भी प्रदान करती हैं। सही बॉटम वियर चुनकर आप अपने लुक को और भी खास बना सकती हैं। आज के फैशन टिप्स में हम आपको कुछ ऐसे बॉटम वियर के बारे में बताएंगे, जो ओवरसाइज टी-शर्ट के साथ बहुत अच्छे लगते हैं और आपको एक कूल अंदाज दे सकते हैं।

जींस - जींस हमेशा से पसंदीदा बॉटम वियर रही है, जो सदाबहार है। चाहे आप डेनिम जींस चुनें या काली जींस, दोनों ही ओवरसाइज टी-शर्ट के साथ अच्छी लगती हैं। डेनिम जींस जहां रोजमर्रा के लुक के लिए सही है, वहीं काली जींस एक स्मार्ट और पेशेवर लुक दे सकती हैं। आप इन दोनों प्रकार की जींस को किसी भी अवसर पर पहन सकती हैं, क्योंकि ये हमेशा ही स्टाइलिश दिखती हैं। अगर जींस वाइड लेग हो तो आप और सुंदर लगेंगी।

लेगिंग - लेगिंग एक बहुत ही आरामदायक और फैशनेबल विकल्प हैं। इन्हें आप किसी भी रंग या डिजाइन में चुन सकती हैं, लेकिन काली लेगिंग का अपना ही एक अलग आकर्षण होता है। काली लेगिंग के साथ एक ओवरसाइज टी-शर्ट पहनने से आपका लुक न केवल स्टाइलिश दिखेगा, बल्कि इसमें आराम भी महसूस होगा। यह संयोजन हर उम्र की महिलाओं के लिए उपयुक्त है और इसे किसी भी अवसर पर पहना जा सकता है।

स्कर्ट - अगर आप कुछ अलग आजमाना चाहती हैं तो स्कर्ट आपके लिए बेहतरीन विकल्प हो सकता है। लंबी या मैक्सी स्कर्ट के साथ एक ओवरसाइज टी-शर्ट पहनकर आप एक अलग और आकर्षक लुक पा सकती हैं। यह संयोजन न केवल आपको स्टाइलिश दिखाएगा, बल्कि इसमें आराम भी महसूस होगा। आप इसे किसी भी मौके पर पहन सकती हैं और यह हमेशा खास दिखेगा। इसके अलावा आप मिनी या माइक्रो स्कर्ट के साथ ओवरसाइज टी-शर्ट पहनकर कूल दिख सकती हैं।

शॉर्ट्स - गर्मियों में शॉर्ट्स एक बेहतरीन विकल्प हो सकते हैं। सूती या लिनेन शॉर्ट्स के साथ एक ओवरसाइज टी-शर्ट पहनकर आप एक साधारण और आरामदायक लुक पा सकती हैं। यह संयोजन न केवल आपको ठंडक देगा, बल्कि इसमें आप स्टाइलिश भी दिखेंगी। आप इसे पार्क या दोस्तों के साथ घूमने के लिए पहन सकती हैं और हर किसी को प्रभावित कर सकती हैं। इसके अलावा आप इसे अपनी खुद की पसंद के अनुसार ढाल सकती हैं।

ट्रैक पैंट - ट्रैक पैंट भी ओवरसाइज टी-शर्ट के साथ बहुत अच्छी लगती हैं। यह न केवल आरामदायक होती है, बल्कि आपको एक स्पोर्टी लुक भी देती है। आप इसे व्यायाम या सुबह की सैर के लिए पहन सकती हैं। इस तरह ओवरसाइज टी-शर्ट कई तरह के बॉटम वियर के साथ जच सकती है। इन सुझावों को अपनाकर आप अपने अलमारी को नया अंदाज दे सकती हैं और हर मौके पर स्टाइलिश दिख सकती हैं।

स्मॉल किचन टिप्स

संगठन - दीवारों पर हैंगिंग रैक, हुक, और अलमारियों का उपयोग करें।

स्टोरेज - फ्रिज में चीजों को चपटा करके स्टोर करें, इससे वे जल्दी जमती हैं और जगह कम घेरती हैं। दालें, मसाले आदि पारदर्शी डिब्बों में रखें।

सब्जी काटना- प्याज काटने से पहले उन्हें 10 मिनट के लिए फ्रिज में रख दें, इससे आंसू कम आएंगे।

खाना पकाने के टिप्स-

करी/ग्रेवी करी वाली सब्जी में मसाले भूनने के बाद गर्म पानी का ही इस्तेमाल करें। ग्रेवी को रिच बनाने के लिए प्याज, टमाटर, काजू को 5-7 मिनट उबालकर पीसें।

डोसा - डोसा बैटर डालने से पहले तवे पर पानी छिड़कें और उसे पोंछें, इससे डोसा नहीं चिपकेगा।

चावल - चावल उबालते समय कुछ बूंदें नींबू का रस डालें, चावल एकदम सफेद और खिले-खिले बनेंगे।

घी- मलाई से घी निकालने के लिए उसमें बर्फ के टुकड़े डालकर मिक्सी में चलाएं, इससे मक्खन आसानी से अलग हो जाएगा।

सफाई - जली हुई कढ़ाई में पानी और बेकिंग सोडा उबालकर साफ करें।

दही खाने के है अनेक फायदे, पाचन से लेकर इम्यूनिटी होती है मजबूत

गमियों का मौसम बहुत जल्द शुरू होने जा रहा है।ऐसे में सेहत को दुरुस्त रखना बेहद जरूरी है।गमियों में अधिकतर लोग शरीर में पानी की कमी के चलते डिहाइड्रेशन, इन्फेक्शन सहित कई तरह की समस्याओं से ग्रसित हो जाते है।ऐसे में आज हम आपको एक सुपर फूड के बारे में बताने जा रहे है।जिसका सेवन करने से आप न सिर्फ स्वस्थ रहेंगे।बल्कि दिल, पाचन और हड्डियां भी फिट रहेगी।यह सुपर फूड और कुछ नहीं बल्कि दही है। दही में कैल्शियम, विटामिन बी12 , प्रोटीन कई पोषक आहार है।जो पाचन को बेहतर बनाने के साथ साथ रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाने के साथ ही हड्डियों को मजबूत करने का काम करता है। तो चलिए जानते है दही खाने के फायदों के बारे में ,,,

पाचन तंत्र बनाएं बेहतर

दही पाचन तंत्र को सुधारने में मदद करता है। इसमें प्रोबायोटिक्स होते हैं जो पाचन में सुधार करने में मदद करते हैं और कब्ज, गैस, और अन्य पाचन संबंधी समस्याओं को कम करते हैं।

दिल को रखे मजबूत :

दही का सेवन हमारी हार्ट हेल्थ के लिए बेहद फायदेमंद माना जाता है. यह शरीर में कोलेस्ट्रॉल के लेवल को कंट्रोल में रखता है और धमनियों में इसे जमने से रोकता है, जिससे हार्ट डिजीज का खतरा कम होता है. साथ ही इसमें मौजूद पोटैशियम ब्लड प्रेशर को कंट्रोल करता है, जिससे हाइपरटेंशन जैसी बीमारियों से बचा जा सकता है.

हड्डियां को बनाएं मजबूत

दही का रोजाना सेवन करने से हड्डियां मजबूत होती है। क्योंकि दही में कैल्शियम और फास्फोरस अच्छी मात्रा में पाया जाता है. ये दोनों मिनरल्स हड्डियों और दांतों को मजबूत बनाते हैं, साथ ही आर्थराइटिस और ऑस्टियोपोरोसिस जैसी बीमारियों से बचाते हैं.

मुंह के छाले-

अगर आपको भी बार-बार हो रहे हैं मुंह में छाले तो खाना शुरू कर दें एक कटोरी दही. गर्मी में दही के सेवन से मुंह के छाले दूर करने में मदद मिल सकती है.

वजन घटाने में फायदेमंद :

दही में पाया जाने वाला कैल्शियम शरीर में कॉर्टिसील नाम के ह्लस्ट्रेस हामीनह्व को कंट्रोल करता है. यह हामीन पेट के आसपास चर्बी जमा होने का कारण बनता है. रोजाना एक कटोरी दही खाने से कॉर्टिसील का लेवल कम होता है, जिससे पेट की चर्बी घटाने में मदद मिलती है. साथ ही दही लीन मसल मास को बनाए रखता है। अगर आप वजन घटना चाहते है तो रोजाना एक कटोरी दही का सेवन जरूर करे।

इम्यूनिटी बढ़ाए :

दही शरीर की इम्यूनिटी को मजबूत बनाता है. इसमें मौजूद गुड बैक्टीरिया शरीर को इंफेक्शन से लड़ने में मदद करते हैं. रोजाना खाने से शरीर की बीमारियों से लड़ने की क्षमता बढ़ती है और यह महिलाओं में यीस्ट इंफेक्शन जैसी समस्याओं से भी बचाव करता है.

स्ट्रॉबेरी स्वादिष्ट फल के अलावा स्वास्थ्य के लिए भी है फायदेमंद

स्ट्रॉबेरी एक रसीला स्वादिष्ट फल है। इसमें न तो बीज निकालने की झंझट होती है और ना ही छिलके। जितना सुंदर दिखने में यह फल होता है। उतना ही इसके फायदे भी है। स्ट्रॉबेरी विटामिनों, फाइबर और एंटीऑक्सीडेंटों से भरपूर होती है। जो पेट से लेकर दिल के लिए फायदेमंद है। इतना ही नहीं यह आपको मौसमी बीमारियों से बचाता है। इसके अलावा ये शरीर को हर प्रकार के इंफेक्शन से लड़ने के लिए सेंसिटिव और मजबूत बनाता है। तो चलिए जानते है ऐसे ही कुछ फायदों के बारे में...

दिल को रखे स्वस्थ

अगर आप दिल की समस्याओं को दूर रखना चाहते हैं तो स्ट्रॉबेरी का सेवन करें. इससे आप कोलेस्ट्रॉल को कंट्रोल करने के साथ-साथ हार्ट अटैक के खतरे को भी कम कर सकते हैं।

हड्डियों को मिलती है मजबूती

स्ट्रॉबेरी में विटामिन-के, कैल्शियम और मैग्नीशियम भरपूर मात्रा में पाए जाते हैं, जो हड्डियों को मजबूत बनाने में मदद करते हैं। चूंकि उम्र बढ़ने के साथ-साथ कुछ लोगों की हड्डियां कमजोर होने लगती हैं, ऐसे में स्ट्रॉबेरी का सेवन उनके लिए फायदेमंद हो सकता है।

बढ़ाए इन्यूनिटी

स्ट्रॉबेरी, इन्यूनिटी बढ़ाने में मददगार है। ये आपके शरीर में बी और टी सेल्स को बढ़ावा देता है जिससे आपका इम्यून सिस्टम को मजबूत बनाए और बीमारियों से लड़ने में मदद करता है। साथ ही यह हाई बीपी (उच्च रक्तचाप) से पीड़ित लोगों के शरीर में रक्त संचरण में भी मदद करती है।

आंखों को बनाता है स्वस्थ

अगर आप आंखों की रोशनी बढ़ाना चाहते हैं और मोतियाबिंद जैसी बीमारियों से निजात पाना चाहते हैं, तो नियमित रूप से स्ट्रॉबेरी का सेवन करें। इसके अलावा स्ट्रॉबेरी पाचन में भी सहायक होती है। इसके सेवन से लिवर और पेट संबंधी समस्याओं में आराम मिलता है।

दातो के लिए फायदेमंद

दांतों का पीलापन दूर करने और दांतों को मजबूत बनाने के लिए स्ट्रॉबेरी का सेवन करें, स्ट्रॉबेरी में कई ऐसे तत्व पाए जाते हैं, जो दांतों के स्वास्थ्य के लिए अच्छे हो सकते हैं. इससे दांतों और मसूड़ों की मजबूती को बढ़ाया जा सकता है।

वजन करें कम

स्ट्रॉबेरी में कैलोरी की मात्रा काफी कम होती है, जो आपके बढ़ते वजन को कम कर सकता है. इसके साथ ही यह फाइबर का काफी अच्छा स्त्रोत होता है जो आपको लंबे समय तक पेट भरा रखता है. इसके सेवन से आप अपने बढ़ते वजन को कम कर सकते हैं.

75 लाख के सरफराज 28 करोड़ के प्रशांत-कार्तिक पर भारी, बताया- ज्यादा कीमत से अच्छे प्रदर्शन की गारंटी नहीं

75 लाख के सरफराज बने टीम की रीढ़

नई दिल्ली। आईपीएल 2026 के शुरुआती मुकाबलों में चेन्नई सुपर किंग्स के लिए एक दिलचस्प और चौंकाने वाली कहानी सामने आई है। टीम ने नीलामी में करोड़ों रुपये खर्च कर बड़े नामों को खरीदा, लेकिन मैदान पर प्रदर्शन ने इस सोच को झटका दे दिया कि ज्यादा कीमत हमेशा बेहतर प्रदर्शन की गारंटी होती है। इस सीजन के पहले तीन मैचों ने यह साफ कर दिया है कि क्रिकेट में कीमत नहीं, बल्कि फॉर्म और आत्मविश्वास मायने रखता है।

सरफराज, जिन्हें सिर्फ 75 लाख रुपये में खरीदा गया था, इस समय सीएसके के सबसे भरोसेमंद बल्लेबाज बनकर उभरे हैं। तीन मैचों में 99 रन, 33 का औसत और 200 से ज्यादा का स्ट्राइक रेट, ये आंकड़े किसी भी टी20 बल्लेबाज के लिए शानदार माने जाते हैं। दिलचस्प बात यह है कि सरफराज को आमतौर पर टेस्ट क्रिकेट का खिलाड़ी माना जाता रहा है, लेकिन उन्होंने अपने खेल में आक्रामकता और नवाचार जोड़कर टी20 में भी अपनी उपयोगिता साबित कर दी है। मिडिल ऑर्डर में उनकी स्थिरता और स्पिन के खिलाफ उनकी बेहतरीन बल्लेबाजी ने टीम को कई मुश्किल हालात से निकाला है। दूसरी ओर, नीलामी में भारी-भरकम रकम पाने वाले खिलाड़ी अब सवालों के घेरे में हैं। कार्तिक शर्मा, जिन्हें 14.20 करोड़ रुपये में खरीदा गया, तीन मैचों में केवल 25 रन ही बना सके हैं। उनका खराब फॉर्म टीम के टॉप ऑर्डर पर दबाव बढ़ा रहा है। वहीं, प्रशांत वीर की स्थिति और भी उलझी हुई है। 14.20 करोड़ में खरीदे गए इस ऑलराउंडर ने अभी तक गेंदबाजी ही नहीं की है। बल्लेबाजी में उन्होंने 49 रन जरूर बनाए हैं, लेकिन यह प्रदर्शन उस कीमत के हिसाब से काफी नहीं माना जा रहा।

सीएसके ने रवींद्र जडेजा के जाने के बाद टीम संतुलन बनाने के लिए प्रशांत वीर पर भरोसा जताया था, लेकिन अब तक उनकी भूमिका स्पष्ट नहीं हो पाई है। गेंदबाजी में उनका उपयोग न होना टीम मैनेजमेंट की रणनीति पर सवाल खड़े करता है। क्या टीम उन्हें सही तरीके से इस्तेमाल नहीं कर पा रही, या फिर उनकी भूमिका ही स्पष्ट नहीं है, यह बड़ा सवाल बन गया है।

नीलामी रणनीति पर चर्चा तेज- इस पूरे घटनाक्रम ने सीएसके की नीलामी रणनीति पर भी बहस छेड़ दी है। दो खिलाड़ियों पर 28 करोड़ से ज्यादा खर्च करने के बाद भी अपेक्षित प्रदर्शन न मिलना टीम के लिए चिंता का विषय है। इससे टीम की लचीलापन भी प्रभावित हुई है, क्योंकि सैलरी कैप का बड़ा हिस्सा इन खिलाड़ियों पर खर्च हो चुका है।

दबाव में कोचिंग स्टाफ- जैसे-जैसे टूर्नामेंट आगे बढ़ेगा, टीम मैनेजमेंट और कोचिंग स्टाफ पर दबाव बढ़ता जाएगा। उन्हें यह तय करना होगा कि क्या प्रशांत वीर को गेंदबाजी में शामिल किया जाए या टीम संयोजन में बदलाव किया जाए? अगर जल्द ही सुधार नहीं हुआ, तो सीएसके को प्लेऑफ की दौड़ में नुकसान उठाना पड़ सकता है।

आईपीएल का इतिहास बार-बार यह साबित करता रहा है कि महंगे खिलाड़ी हमेशा मैच जिताने वाले नहीं होते। इस सीजन में सरफराज खान इसका ताजा उदाहरण बनकर सामने आए हैं। उनका प्रदर्शन उन सभी फ्रैंचाइजियों के लिए एक सबक है, जिन्होंने नीलामी में उन्हें नजरअंदाज किया था।

IPL 2026 के पहले हफ्ते के 5 सबसे बड़े फ्लॉप खिलाड़ी

1. Arshdeep Singh - लय से भटके PBKS के स्टार गेंदबाज पंजाब किंग्स के तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह अब तक काफी महंगे साबित हुए हैं। गुजरात टाइटन्स के खिलाफ : 4 ओवर, 42 रन, 0 विकेट, चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ : 4 ओवर, 41 रन, 0 विकेट इतना ही नहीं, उन्होंने एक मैच में 11 गेंदों का ओवर डालकर अनचाहा रिकॉर्ड भी बना दिया।

2. Sanju Samson - CSK के लिए सिरदर्द विकेटकीपर बल्लेबाज संजू सैमसन का बल्ला पूरी तरह खामोश रहा है। 3 मैच : 6, 7 और 9 रन हाल ही में टी20 वर्ल्ड कप में शानदार प्रदर्शन करने वाले सैमसन की यह फॉर्म टीम के लिए चिंता का विषय है।

3. Cameron Green - महंगे खिलाड़ी, योगदान कम कोलकाता नाइट राइडर्स के इस ऑलराउंडर से बड़ी उम्मीदें थीं, लेकिन गेंदबाजी चोट के कारण नहीं कर पाए 18 रन और 2 रन उनका प्रदर्शन अब तक टीम के लिए निराशाजनक रहा है।

4. KL Rahul - अनुभव के बावजूद फ्लॉप, दिल्ली कैपिटल्स के अनुभवी बल्लेबाज केएल राहुल का बल्ला पूरी तरह शांत रहा है। 2 पारियां : 0 और 1 रन टीम को उनसे बड़ी पारियों की उम्मीद थी, लेकिन शुरुआती मैचों में वह नाकाम रहे।

5. Varun Chakravarthy - मिस्ट्री स्पिन का नहीं चला जादू, कोलकाता के इस मिस्ट्री स्पिनर की गेंदबाजी भी फीकी रही है, टकके खिलाफ 4 ओवर, 48 रन, रफ़्तर के खिलाफ 2 ओवर, 31 रन उनकी लाइन और लेंथ में निरंतरता की कमी साफ नजर आई।

इन खिलाड़ियों के पास वापसी का पूरा मौका

IPL 2026 अभी शुरुआती दौर में है, इसलिए इन खिलाड़ियों के पास वापसी का पूरा मौका है। लेकिन अगर उनका खराब प्रदर्शन जारी रहा, तो टीम कॉम्बिनेशन और प्लेइंग इलेवन में बदलाव देखने को मिल सकता है। फिलहाल, इन स्टार खिलाड़ियों की फॉर्म उनकी टीमों के लिए सबसे बड़ी चिंता बनी हुई है।

बारिश में धुला यह मैच, फैंस को वापस नहीं मिलेंगे पैसे

बारिश के कारण बेनतीजा रहा मुकाबला, कोलकाता और पंजाब को बांटने पड़े अंक; कैमरन ग्रीन ने किया निराश

कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) और पंजाब किंग्स के बीच आईपीएल 2026 का मुकाबला बारिश की भेंट चढ़ गया है। केकेआर ने इस मैच में टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला लिया था। टीम ने 3.4 ओवर में दो विकेट पर 25 रन बनाए थे। उसी वक्त हल्की बारिश के कारण मैच रुक गया। हालांकि, देखते ही देखते बारिश तेज हो गई जिससे मुकाबला दोबारा शुरू नहीं हो सका। संयोग से पिछले सत्र में भी ईडन गार्डन्स में केकेआर और पंजाब किंग्स के बीच हुआ मैच (26 अप्रैल को) बारिश की वजह से प्रभावित हुआ था और दोनों टीम को एक-एक अंक बांटना पड़ा था।

नई दिल्ली (ए)। आईपीएल मैच देखने के लिए लोग हजारों रुपये खर्च करते हैं, लेकिन अगर बारिश आ जाए तो सबसे बड़ा सवाल होता है कि क्या टिकट का पैसा वापस मिलेगा? सोमवार को इस सीजन का पहला मैच बारिश से धुला। कोलकाता नाइट राइडर्स और पंजाब किंग्स के बीच ईडन गार्डन्स में आयोजित मैच में 3.4 ओवर का खेल ही हो सका और फिर मैच को बेनतीजा घोषित किया गया। तब कोलकाता की टीम बैटिंग कर रही थी। इसके बाद फैंस यह जानने को उत्सुक हैं कि क्या स्टेडियम में पहुंचे दर्शकों को रिफंड मिलेगा या नहीं? तो हम आपको इस बारे में पूरी जानकारी देने जा रहे हैं। आईपीएल 2026 में बारिश से मैच धुल जाने या रद्द होने पर टिकट के पैसे रिफंड करने को लेकर साफ नियम बनाए गए हैं, जिन्हें 'सिंगल बॉल पॉलिसी' कहा जाता है।

क्या है 'सिंगल बॉल' नियम?

आईपीएल के इस नियम के मुताबिक, अगर मैच में एक भी गेंद नहीं फेंकी जाती, तभी दर्शकों को पूरा पैसा वापस मिलता है। लेकिन जैसे ही एक गेंद भी खेल ली जाती है, उसके बाद मैच रद्द होने पर आमतौर पर कोई रिफंड नहीं दिया जाता। इस नियम के बारे में आईपीएल के टिकट टर्म्स एंड कंडीशंस पेज पर जिक्र किया गया है। यानी अगर मैच शुरू हो गया, भले ही कुछ ही ओवर खेले गए हों, तब भी आपके टिकट के पैसे वापस नहीं मिलेंगे। कोलकाता-पंजाब मैच में भी लगभग चार ओवर का खेल हुआ और ऐसे में फैंस को पैसे वापस नहीं मिलेंगे। बारिश के कारण मैच पूरी तरह रद्द हो जाए, तो ही दर्शकों को रिफंड मिलता है। हालांकि, इस रिफंड में भी कुछ एडमिन या सर्विस चार्ज कट सकते हैं।

रिफंड में भी कटते हैं कुछ पैसे

बारिश के कारण मैच में एक भी गेंद न डलने पर लगभग पूरा रिफंड मिलता भी है। हालांकि, तब भी कुछ चार्ज वापस नहीं मिलते। इनमें कन्वीनियंस फीस, 28 प्रतिशत जीएसटी और डिलीवरी या कूरियर चार्ज शामिल हैं। यानि टिकट के रिफंड के बावजूद कुछ रकम कट सकती है। हालांकि, इसके बावजूद फैंस को 80-90 प्रतिशत पैसे वापस मिलते हैं।

क्या मिलता है कोई फायदा?

कुछ खास मामलों में आईपीएल फ्रैंचाइजी दर्शकों को राहत दे सकती हैं। इनमें बहुत कम ओवर होने पर डिस्काउंट या जेंडिट या फिर मैच की नई तारीख तय होने पर पुराना टिकट मान्य करना। हालांकि, ये पूरी तरह फ्रैंचाइजी के फैसले पर निर्भर करता है, यह नियम नहीं है।

रिफंड कैसे मिलेगा?

ऑनलाइन टिकट (जैसे बुक माय शो या डिस्ट्रिक्ट एप से बुक करने पर), पैसा उसी अकाउंट में वापस आता है। आमतौर पर 10 से 15 दिन लगते हैं। अगर टिकट काउंटर से लिया गया हो तो टिकट को उसी काउंटर पर जमा करना होगा, तभी रिफंड प्रोसेस होगा। अगर आपने फ्री या कॉम्प्लिमेंट्री टिकट लिया है, तो किसी भी हालत में रिफंड नहीं मिलेगा।

प्रीति ने एशियाई मुक्केबाजी में किया उलटफेर, ओलंपिक कांस्य विजेता इम को हराकर फाइनल में पहुंचीं

नई दिल्ली (ए)। उदीयमान भारतीय मुक्केबाज प्रीति पवार ने पेरिस ओलंपिक कांस्य पदक विजेता कोरिया की ऐजी इम को हराकर एशियाई मुक्केबाजी चैंपियनशिप के फाइनल में प्रवेश कर लिया है। वहीं, भारत को निकहत जरीन और लवलीना बोरगोहेन के बाहर होने से झटका लगा जो अपने-अपने मुकाबले गंवा बैठीं। प्रिया और अरूंधति चौधरी ने भी अपने सेमीफाइनल मुकाबले जीते। विश्व चैंपियनशिप पदक विजेता पूजा रानी और अंकुशिता बोरो को सेमीफाइनल में हारने के बाद कांस्य पदक से संतोष करना पड़ा।

फाइनल में प्रीति के सामने कड़ी चुनौती- एशियाई खेलों की कांस्य पदक विजेता प्रीति ने तीन दौर के मुकाबले में इम को 5-0 से हराया। अब फाइनल में उनका सामना तीन बार की विश्व चैंपियन (2019, 2023,2025) और टोक्यो ओलंपिक 2020 की कांस्य पदक विजेता चीनी ताइपै की हुआंग सियाओ येन से होगा।

महिलाओं के 60 किलोवर्ग में प्रिया ने स्थानीय मुकेबाज नामून मोंखोर को 5-0 से हराकर फाइनल में जगह बनाई। अब उनका सामना उत्तर कोरिया की उन जियोंग चोन से होगा।

लवलीना-निकहत ने किया निराश- अरूंधति ने उजबेकिस्तान की ओइशा तोइरोवा को 70 किलोवर्ग के सेमीफाइनल में 4-1 से हराया। अब उनका सामना कजाखस्तान की बेकित सेइदिश से होगा। दो बार की विश्व चैंपियन निकहत को ओलंपिक पदक विजेता चीन की यू यू ने 51 किलोवर्ग के सेमीफाइनल में 5-0 से मात दी। निकहत की इस मुकेबाज के खिलाफ यह दूसरी हार है।

टोक्यो ओलंपिक कांस्य पदक विजेता लवलीना को 75 किलोवर्ग में विश्व चैंपियनशिप कांस्य पदक विजेता उजबेकिस्तान की अजीजा जोकिरोवा ने 5-0 से मात दी। पहले दौर में बाय मिलने के बाद यह टूर्नामेंट में लवलीना का पहला मुकाबला था। अंकुशिता को चीनी ताइपे की नियेन चिन चेन ने 3-0 से हराया। महिलाओं के 80 किलो वर्ग में पूजा सेमीफाइनल में कजाखस्तान की एन रियाबेस्स से हार गईं।

आज मिलेंगे कबड्डी के सूरमा, प्रदेश में करेंगे नाम रोशन

अलीगढ़। प्रो कबड्डी लीग के पांचवें सीजन के अंतिम बड़े मुकाबले आज खेले जाएंगे। शेखर सराफा मैदान पर जारी इस तीन दिवसीय लीग का फाइनल मुकाबला आज शाम छह बजे से शुरू होगा। उससे पहले टॉप चार टीमें ताल ठोकते हुए एक दूसरे को चुनौती देंगी। सोमवार को अलीगढ़ मंडल के खिलाड़ियों का हुनर देखने के लिए उत्तर प्रदेश कबड्डी लीग के सह संस्थापक रचित शर्मा, दो कोच अरुण कुमार सिंह और सत्येंद्र कुमार पहुंचे। चर्चा है कि आगामी महीनों में उत्तर प्रदेश कबड्डी लीग का आयोजन नोएडा में होगा जिसमें अलीगढ़ मंडल से कई खिलाड़ियों को चयनित किया जा सकता है।

बहरहाल, लीग के दूसरे दिन दो मुकाबले टाई रहे जिसके बाद पांच पांच रेट डाली गई। इसमें महेश्वरी सुपर किंग्स और दरबार वॉरियर्स दोनों ने अलग अलग टीमों के खिलाफ जीत हासिल की। शेखर सराफ फाउंडेशन की ओर से आयोजित यह लीग पांच अप्रैल को शुरू हुई। आयोजक सुमित सराफ ने बताया कि इस लीग में हाथरस, एटा, कासगंज और अलीगढ़ जिले से चयनित खिलाड़ियों को अलग अलग टीमों ने नीलामी में खरीदा था। पहले दिन करीब 10 मुकाबले हुए, जबकि सोमवार को 14 मुकाबले हुए हैं। कृष्णा फैब्रीकेशन ने राधेवेदा को 27-25 के अंतर से हराया। अक्कर सेना ने माहेश्वरी सुपर किंग्स को 31-30 अंक से हराया। इसके अलावा राधेवेदा टाइगर्स ने संतसार वॉरियर्स को 42-20 अंक से पराजित किया। इसके बाद हुए मुकाबले में दरबार वॉरियर्स ने आभा ग्रांड को 51-39 अंक और छर्रा लायंस ने अक्कर सेना को 42-19 के बड़े अंतर से मात दी।

मीनाक्षी, जैसमीन एशियाई मुक्केबाजी चैंपियनशिप के सेमीफाइनल में, पुरुषों ने भी बिखेरा जलवा

नई दिल्ली (ए)। मीनाक्षी हुड्डा और जैसमीन लंबोरिया के सेमीफाइनल में पहुंचने से भारतीय महिला मुक्केबाजों का एशियाई मुक्केबाजी चैंपियनशिप में शानदार प्रदर्शन रविवार को भी जारी रहा। इन दोनों की जीत के साथ ही भारतीय महिला दल के सभी मुक्केबाजों का पदक पक्का हो गया है। मीनाक्षी ने 48 किग्रा वर्ग में जापान की युका सादामात्सु को एकतरफा मुकाबले में 5-0 से हराया। उन्होंने मुकाबले के दौरान बेहतरीन संयोजन और रिंग पर नियंत्रण का प्रदर्शन किया।

जैसमीन ने 57 किग्रा वर्ग में चीन की जियो चेन को 5-0 के समान अंतर से मात देकर सेमीफाइनल में जगह बनाई। पुरुष वर्ग में भी भारत का प्रदर्शन दमदार रहा। लोकेश (85 किग्रा) ने कोरिया के गिचाए किम को 5-0 से हराकर अंतिम चार में प्रवेश किया। इसके बाद आकाश (75 किग्रा) ने तुर्कमेनिस्तान के यहलास बगल्यारोव को 5-0 से हराया, जबकि हर्ष चौधरी (90 किग्रा) ने किर्गिज गणराज्य के तिनिस्तान अलीबायेव को पराजित कर सेमीफाइनल में जगह बनाई। भारत के अब पुरुष वर्ग में कुल छह मुक्केबाज सेमीफाइनल में पहुंच चुके हैं। अंकुश को हालांकि 80 किग्रा वर्ग में जॉर्डन के हुसैन इशाइश के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा और वह प्रतियोगिता से बाहर हो गए।

चेस मुकाबले में दिखा भारतीय संस्कारों का सम्मान

उज्बेकिस्तान के खिलाड़ी ने हरिका को नमस्ते कर जीता दिल

नई दिल्ली (ए)। जर्मनी में खेले जा रहे ग्रेनके फ्रीस्टाइल चेस ओपन 2026 के दौरान एक खास पल ने सोशल मीडिया पर लोगों का दिल जीत लिया। भारतीय ग्रैंडमास्टर हरिका द्रोणावल्ली और उज्बेकिस्तान के नोडीबेक याकुबोएव के बीच मुकाबले से पहले का यह वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है।

हैंडशेक की जगह नमस्ते- मैच शुरू होने से पहले हरिका द्रोणावल्ली ने खेल भावना के तहत हाथ मिलाने के लिए अपना हाथ आगे बढ़ाया, लेकिन याकुबोएव ने हाथ मिलाने के बजाय दोनों हाथ जोड़कर नमस्ते किया। यह दृश्य न सिर्फ अनोखा था, बल्कि भारतीय संस्कृति के सम्मान का प्रतीक भी बन गया। सोशल मीडिया पर फैंस इस जेस्चर की जमकर तारीफ कर रहे हैं।

पहले भी हो चुका है ऐसा- यह पहली बार नहीं है जब नोडीबेक याकुबोएव ने हाथ मिलाने से परहेज किया हो। इससे पहले भी वह भारतीय खिलाड़ी के साथ ऐसी स्थिति में नजर आ चुके हैं। पिछले साल विज्क आन जी चैलेंजर्स में उन्होंने आर वैशाली से हाथ नहीं मिलाया था, जिससे थोड़ी असहज स्थिति बन गई थी।

बाद में मांगी थी माफी- उस घटना के बाद नोडीबेक याकुबोएव ने सफाई देते हुए कहा था, मैं जो हुआ उसके लिए माफी मांगता हूं। यह दोनों के लिए अजीब स्थिति थी।

मैं उस दिन जल्दी में था, शायद यह गलतफहमी थी। मैं आप सभी खिलाड़ियों का सम्मान करता हूं। इस पर वैशाली ने भी सकारात्मक जवाब देते हुए कहा, यह समझने वाली बात है। मैंने इसे गलत तरीके से नहीं लिया। आपने माफी मांगी, यह काफी है। आपको चिंता करने की जरूरत नहीं है।

खेल से बढ़कर संदेश

इस बार हरिका के साथ उनका नमस्ते करना एक सकारात्मक और सम्मानजनक संदेश के रूप में देखा जा रहा है। यह घटना दिखाती है कि खेल सिर्फ जीत-हार का नहीं, बल्कि संस्कार और सम्मान का भी मंच है।

गांजा तस्करी, छेड़खानी व चोरी के मामलों में फरार आरोपी पुलिस गिरफ्त में

तमनार पुलिस की ताबड़तोड़ कार्रवाई : 'ऑपरेशन तलाश' में मिली सफलता, तीन आरोपी भेजे गए रिमांड पर जेल

रायगढ़। एसएसपी शशिमोहन सिंह के दिशा निर्देशन पर जिले में फरार आरोपियों एवं वारंटियों की धरपकड़ हेतु चलाए जा रहे 'ऑपरेशन तलाश' के तहत तमनार पुलिस को अलग-अलग तीन मामलों में महत्वपूर्ण सफलता प्राप्त हुई है। पुलिस द्वारा एनडीपीएस एक्ट, पॉक्सो एक्ट एवं चोरी के प्रकरणों में फरार चल रहे तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेजा गया है।

तमनार पुलिस द्वारा माह फरवरी में दिनांक 26.02.2026 को गांजा तस्करी के मामले में दो आरोपी- नरेश यादव और सुरेन्द्र रजवाडे को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से 12.410 किलोग्राम गांजा, एक बिना नंबर स्प्लेंडर प्लस मोटरसाइकिल एवं मोबाइल फोन जब्त किया गया था। प्रकरण में एक अन्य आरोपी सुबोध सा घटना दिनांक से फरार चल रहा था, जिसकी लगातार पतासाजी की जा रही थी। दिनांक 06.04.2026 को तमनार पुलिस द्वारा आरोपी सुबोध सा पिता स्वर्गीय मोतीलाल सा 37 साल निवासी ग्राम टपरिया थाना तमनार को अभिरक्षा में लेकर पूछताछ की गई, जिसमें उसने अपराध करना स्वीकार किया। आरोपी द्वारा गांजा बिक्री की रकम 2000 रुपये नगद पेश करने पर उसे भी जप्त किया गया। पर्याप्त साक्ष्य पाए जाने पर आरोपी को गिरफ्तार कर अपराध क्रमांक 44/2026 धारा 20 बी एनडीपीएस एक्ट में न्यायिक रिमांड पर भेजा गया।

क्या कहते हैं एसएसपी शशिमोहन सिंह

अपराध कर छिपने वाले ज्यादा समय तक बच नहीं सकते। पुलिस अपना सूचनातंत्र सुदृढ़ कर कार्रवाई की रही है जिसमें लगातार सफलता मिल रही है, ऑपरेशन तलाश के तहत फरार आरोपियों और फरार वारंटियों की धरपकड़ जारी रहेगी।

शशिमोहन सिंह, एसएसपी रायगढ़

छेड़खानी/पॉक्सो एक्ट का फरार आरोपी राजेन्द्र यादव गिरफ्तार

दिनांक 02.03.2026 को ग्राम कसडोल स्थित घटेश्वरी मंदिर में एक बालिका के साथ छेड़छाड़ की घटना में संलिप्त आरोपी राज मलिक, लक्ष्य, राजेन्द्र यादव और एक विधि के साथ संघर्षरत बालक नामजद आरोपी था। मामले में अन्य विधि के साथ संघर्षरत बालक और दो आरोपी - राज मलिक, लक्ष्य साहू पूर्व में गिरफ्तारी हो चुकी थी, जबकि आरोपी राजेन्द्र घटना के बाद से फरार चल रहा था। मुखबिर सूचना पर दिनांक 06.04.2026 को आरोपी राजेन्द्र यादव पिता हेम सागर यादव 25 साल को उसके गांव भैसगढ़ी से हिरासत में लेकर पूछताछ की गई, जिसमें उसने अपराध स्वीकार किया। आरोपी को गिरफ्तार कर अपराध क्रमांक 49/2026 धारा 74, 3(5) बीएनएस और 8, 12 पोक्सो एक्ट गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेजा गया है।

चोरी कापर वायर खरीदी के आरोप में मुजम्मिल हक उर्फ शहंशाह गिरफ्तार

थाना तमनार क्षेत्र अंतर्गत ग्राम ग्राम बांझीखोल सोलर प्लांट में 12 फरवरी 2026 को कॉपर केबल चोरी के मामले में गिरफ्तार आरोपी सुरेश सिदार से पूछताछ में चोरी की संपत्ति को मुजम्मिल हक उर्फ शहंशाह को बेचना बताया था। प्रकरण में फरार आरोपी मुजम्मिल हक की पतासाजी कर उसे हिरासत में लिया गया। पूछताछ में आरोपी से 10 किलो कॉपर वायर बरामद किया गया है। पर्याप्त साक्ष्य पाए जाने पर आरोपी मुजम्मिल हक उर्फ शहंशाह उम्र 36 वर्ष, ग्राम टपरंगा किराये का मकान को अपराध क्रमांक 34/2026 धारा 303(2), 317(2), 3(5) बीएनएस में गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेजा गया। उक्त कार्रवाई में थाना प्रभारी तमनार निरीक्षक प्रशांत राव, सहायक उप निरीक्षक सुरूति सिदार, प्रधान आरक्षक मोहम्मद दिलदार कुरैशी, हेम प्रकाश सोन, आरक्षक पुष्पेन्द्र सिदार एवं रंजित भगत की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

जमीन अधिग्रहण के खिलाफ प्रदर्शन, चार गांव के ग्रामीण पहुंचे कलेक्टोरेट

कोड़ातराई में प्रस्तावित एयरपोर्ट को लेकर विरोध शुरू

रायगढ़। रायगढ़ जिले के कोड़ातराई में प्रस्तावित एयरपोर्ट को लेकर विरोध शुरू हो गया है। जमीन अधिग्रहण की प्रक्रिया के बीच 4 गांव के ग्रामीणों ने मंगलवार को कलेक्ट्रेट पहुंचकर मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा और परियोजना को निरस्त करने की मांग की।

दरअसल कोड़ातराई, बेलपाली, जकेला और औरदा गांव के सैकड़ों ग्रामीण पहले मिनी स्टेडियम में एकत्रित हुए। इसके बाद रैली निकालकर कलेक्ट्रेट पहुंचे और जोरदार नारेबाजी करते हुए अपना विरोध दर्ज कराया। ग्रामीणों का कहना है कि, एयरपोर्ट के लिए अधिग्रहित की जा रही जमीन नहर और ट्यूबवेल से सिंचित दो फसली भूमि है, जो उनके जीवनयापन का मुख्य साधन है। ऐसे में जमीन जाने से उनके सामने आजीविका का संकट खड़ा हो जाएगा। ग्रामीणों ने बताया कि प्रस्तावित एयरपोर्ट के कारण एनएच-153, पुसौर रोड, एनटीपीसी लारा रोड और ओडिशा के बरगढ़ को जोड़ने वाली सड़क भी प्रभावित होगी। इससे शासन पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ पड़ेगा और यातायात व्यवस्था भी बाधित होगी।

फर्जी वाउचर बनाकर कर्मचारियों ने कंपनी को लगाया 32 लाख का चूना

ट्रांसपोर्टर की रिपोर्ट के बाद पुलिस ने 8 लोगों के खिलाफ दर्ज किया मामला

रायगढ़। जिले में श्रीराम ट्रांसपोर्ट के कर्मचारियों द्वारा फर्जी वाउचर बनाकर छल-कपट और जालसाजी करते हुए कंपनी को लाखों रुपये का चूना लगाने का मामला सामने आया है। ट्रांसपोर्टर की रिपोर्ट के बाद पुलिस ने 8 लोगों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। मामला सिटी कोतवाली थाना क्षेत्र का है।

मिली जानकारी के अनुसार, श्रीराम ट्रांसपोर्ट के संचालक कमल किशोर शाह ने सिटी कोतवाली थाने में रिपोर्ट दर्ज कराते हुए बताया कि वह अपने मित्र गणपति चौधरी के साथ ट्रांसपोर्ट व्यवसाय का संचालन करते हैं। उन्होंने बताया कि उनके यहां प्रकाश मिश्रा और दीपक शर्मा ट्रांसपोर्ट में चलने वाली गाड़ियों के बिल वाउचर तैयार कर भुगतान के लिए प्रस्तुत करते थे। 26 फरवरी को ट्रांसपोर्टरों का भुगतान करते समय एक ही नंबर के दो-तीन वाउचर मिलने पर दीपक शर्मा से पूछताछ की गई। इस पर उसने बताया कि वह प्रकाश मिश्रा के साथ सितंबर माह से एक ही नंबर के कई वाउचर तैयार कर भुगतान करवा रहा था। इसके बाद सितंबर 2025 से अब तक के वाउचरों का मिलान किया गया, जिसमें सामने आया कि संदीप बंसल, जासमिन बंजारा, नेहा चौहान, सूर्यकांत अग्रवाल, कमल बसोड़ और प्रियंका गुप्ता के नाम पर डुप्लीकेट वाउचर तैयार कर भुगतान कराया गया, जबकि इनका गाड़ियों से कोई संबंध नहीं था। इस तरह श्रीराम ट्रांसपोर्ट को करीब 32 लाख रुपये का नुकसान पहुंचाया गया। पीड़ित ने यह भी बताया कि उक्त सभी लोग प्रकाश मिश्रा और दीपक शर्मा के सहयोगी के रूप में काम कर रहे थे और उनके खातों में रकम ट्रांसफर की गई।

सीएम साय ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को बेल मेटल निर्मित 'माता कौशल्या के राम' कलाकृति की भेंट

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने नई दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात के दौरान छत्तीसगढ़ की समृद्ध जनजातीय परंपरा और सांस्कृतिक पहचान को दर्शाती बेल मेटल से निर्मित 'माता कौशल्या के राम' की अद्वितीय कलाकृति भेंट की।

मुख्यमंत्री साय ने इस अवसर पर कहा कि छत्तीसगढ़ वह पावन धरा है, जहाँ भगवान श्रीराम का ननिहाल स्थित है और यह भूमि प्रभु श्रीराम से गहराई से जुड़ी हुई है। उन्होंने कहा कि भेंट की गई यह कलाकृति प्रदेश की आस्था, परंपरा और सृजनशीलता का सजीव प्रतिरूप है, जो जनजातीय समाज की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और उत्कृष्ट शिल्पकौशल को दर्शाती है। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में अयोध्या में प्रभु श्रीराम के भव्य मंदिर का निर्माण भारत की सांस्कृतिक चेतना के पुनर्जागरण का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा संचालित 'श्री रामलला दर्शन योजना' के माध्यम से प्रदेश के हजारों श्रद्धालु अयोध्या धाम के दर्शन कर रहे हैं, जिससे आस्था और श्रद्धा को जन-जन तक जोड़ने का कार्य निरंतर हो रहा है।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि प्रभु श्रीराम के आदर्शों से प्रेरणा लेकर राज्य सरकार सेवा, संस्कार और सुशासन के पथ पर आगे बढ़ रही है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में छत्तीसगढ़ विकास और जनकल्याण के नए आयाम स्थापित करता रहेगा।

ऑटो में ले जा रहे अवैध कबाड़ सहित आरोपी गिरफ्तार, दूसरी कार्रवाई में डंप किया गया स्क्रैप जब्त

अवैध कबाड़ पर छाल पुलिस की दोहरी कार्रवाई, दो आरोपी पकड़े गए

रायगढ़। एसएसपी शशि मोहन सिंह के मार्गदर्शन में जिले में 'ऑपरेशन प्रहार' के तहत अवैध गतिविधियों के विरुद्ध लगातार कार्रवाई की जा रही है। इसी कड़ी में थाना छाल पुलिस द्वारा कल ग्राम भ्रमण के दौरान लात खेदापाली क्षेत्र में अवैध कबाड़ के विरुद्ध दो अलग-अलग कार्रवाई करते हुए आरोपियों के विरुद्ध वैधानिक कार्रवाई की गई है।

थाना प्रभारी छाल निरीक्षक नसिर खान के नेतृत्व में पुलिस टीम को मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई कि एक व्यक्ति ऑटो वाहन क्रमांक सीजी 12 ए एक्स 0598 में लोहे, टीना एवं स्क्रैप का अवैध कबाड़ भरकर खरसिया की ओर जा रहा है। सूचना पर पुलिस टीम द्वारा ग्राम चंद्रशेखरपुर ऐडू बरभौना चौक के पास घेराबंदी कर वाहन को रोका गया। पूछताछ में चालक ने अपना नाम चंचल राय पिता वृंदा राय उम्र 26 वर्ष निवासी जिला आरा (बिहार) हाल मुकाम चंद्रशेखरपुर ऐडू थाना छाल बताया। वाहन की तलाशी लेने पर उसमें लगभग 02 क्विंटल लोहे, टीना एवं स्क्रैप का कबाड़ मिला, जिसकी कीमत लगभग 20,000 रुपये है । आरोपी द्वारा कोई वैध दस्तावेज प्रस्तुत नहीं करने पर कबाड़ को जप्त कर कार्रवाई की गई।

खेदापाली में अवैध कबाड़ डंप करने वाले आरोपी पर कार्रवाई

दूसरी कार्रवाई में दिनांक 05.04.2026 को पुलिस को सूचना प्राप्त हुई कि ग्राम लात खेदापाली में एक व्यक्ति खुले स्थान पर लोहे एवं टीना का अवैध कबाड़ डंप कर रखा है। सूचना पर पुलिस टीम द्वारा मौके पर पहुंचकर रेड कार्रवाई की गई, जहां एक व्यक्ति कबाड़ के पास मौजूद मिला। पूछताछ में उसने अपना नाम अजीजुल हक पिता स्व. शिश मोहम्मद उम्र 57 वर्ष निवासी वर्तमान खेदापाली थाना छाल बताया। मौके पर रखे लगभग 02 क्विंटल लोहे, टीना एवं स्क्रैप के संबंध में वैध दस्तावेज प्रस्तुत करने को कहा गया, जिस पर वह कोई दस्तावेज प्रस्तुत नही कर सका। चोरी का माल होने की संदेह पर उक्त कबाड़, जिसकी कीमत लगभग 20,000 रुपये है, को विधिवत जप्त किया गया। दोनों मामलों में थाना छाल में इस्तगासा क्रमांक 04/2026 एवं 05/2026 के तहत धारा 35 (क)(ड) बीएनएसएस/303(2) बीएनएस के अंतर्गत कार्रवाई करते हुए पृथक से प्रतिबंधात्मक कार्रवाई की गई है। उक्त कार्रवाई में निरीक्षक नसिर खान, प्रधान आरक्षक शंभू पाण्डेय, शंकर क्षत्रिय, आरक्षक राजेश राठौर, उमेंद्र उरांव, सतीश जगत एवं प्रबंध राठिया की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

अवैध कबाड़ पर कार्रवाई जारी रहेगी: एसएसपी

एसएसपी शशि मोहन सिंह का कहना है कि ऑपरेशन प्रहार के तहत जिले में अवैध कबाड़ एवं चोरी के माल के कारोबार पर लगातार सख्त कार्रवाई की जा रही है। ऐसे अवैध गतिविधियों में संलिप्त व्यक्ति तत्काल इसे बंद करें, अन्यथा उनके विरुद्ध कठोर वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

रायगढ़ ने डिजिटल भूमि डायवर्सन प्रणाली में दर्ज की बड़ी उपलब्धि, प्रदेश के 770 आवेदनों में सर्वाधिक 180 आवेदन रायगढ़ से

ऑटो डायवर्सन प्रकरणों के निराकरण में रायगढ़ अनुभाग प्रदेश में शीर्ष स्थान पर

रायगढ़। राज्य शासन के राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग, नवा रायपुर द्वारा नागरिकों की सुविधा हेतु भूमि डायवर्सन प्रक्रिया को सरल एवं पारदर्शी बनाने के उद्देश्य से ऑटो डायवर्सन प्रणाली की शुरुआत की गई है। इस प्रणाली के अंतर्गत नागरिक अपनी भूमि के डायवर्सन संबंधी आवेदन सीधे नागरिक सुविधा पोर्टल पर ऑनलाइन अपलोड कर निर्धारित शुल्क का भुगतान ऑनलाइन चालान के माध्यम से कर सकते हैं। इससे पूरी प्रक्रिया अधिक सुगम, पारदर्शी और समयबद्ध हो गई है। इसी क्रम में रायगढ़ अनुभाग ने इस महत्वाकांक्षी योजना के क्रियान्वयन में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए प्रदेश में सर्वोच्च स्थान प्राप्त किया है। अनुभाग द्वारा आवेदन प्राप्ति से लेकर ऑनलाइन चालान के माध्यम से राशि जमा कराने एवं प्रकरणों के निराकरण तक प्रभावी कार्य किया गया है। अब तक रायगढ़ अनुभाग में कुल 180 ऑटो डायवर्सन आवेदन प्राप्त हुए हैं, जिनके माध्यम से 27,09,683 रुपए (सत्ताईस लाख नौ हजार छह सौ तिरासी रुपये) की राशि शासन के खाते में ऑनलाइन चालान के माध्यम से जमा हुई है।

अनुविभागीय अधिकारी राजस्व रायगढ़ द्वारा प्राप्त आवेदनों में से 46 प्रकरणों का समय-सीमा के भीतर अंतिम आदेश जारी कर निराकरण किया जा चुका है, जबकि शेष प्रकरणों का भी प्राथमिकता के आधार पर निराकरण जारी है। एसडीएम रायगढ़ के अनुसार यह प्रणाली प्रशासनिक सुधार की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, जिससे भूमि व्यपवर्तन की प्रक्रिया सरल हुई है और नागरिकों को इसका प्रत्यक्ष लाभ मिल रहा है। आगे भी सभी प्रकरणों का अभियान चलाकर समयबद्ध निराकरण सुनिश्चित किया जाएगा। उल्लेखनीय है कि प्रदेश में अब तक कुल 770 आवेदन दर्ज किए गए हैं, जिनमें अकेले 180 आवेदन रायगढ़ अनुभाग से हैं, जो इसे प्रदेश में शीर्ष स्थान पर स्थापित करता है।

बैंक फ्रॉड का पर्दाफाश: अंतरजिला गिरोह के तीन आरोपी गिरफ्तार

बैंककर्मियों से साठगांठ कर होल्ड खातों से निकाले थे 31 लाख रुपये

सारंगढ़-बिलाईगढ़। जिले की सरसींवा पुलिस ने कूटरचित दस्तावेजों के जरिए बैंक खातों से 31 लाख रुपये की ठगी करने वाले अंतरजिला गिरोह का पर्दाफाश करते हुए तीन मुख्य आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों ने बैंककर्मियों से साठगांठ कर होल्ड खातों को फर्जी तरीके से अनहोल्ड कराकर रकम निकाल ली थी। गिरफ्तार आरोपियों में रायकोना निवासी महाठग शिवा साहू, पारसनाथ साहू और सूर्यकांत साहू शामिल हैं। पुलिस ने इनके कब्जे से इनोवा और सेलेरियो कार, जावा मोटरसाइकिल, एक्टिवा स्कूटी, लैपटॉप, प्रिंटर और मोबाइल फोन सहित करीब 40 लाख रुपये मूल्य की सामग्री जब्त की है। यह मामला 25 दिसंबर 2025 का है, जहां एचडीएफसी बैंक बिलाईगढ़ व सारंगढ़ बैंक प्रबंधन की शिकायत पर दर्ज हुआ था। जांच में सामने आया कि आरोपियों ने 21 लाख व 10.34 लाख रुपये अलग-अलग खातों से निकाले थे। पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में सरसींवा की टीम ने लंबे समय से फरार आरोपियों को पकड़ने में सफलता हासिल की। सभी आरोपियों को न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया गया है।

"यह समाचार पत्र आलोक तिवारी द्वारा 80/बी, मैत्री विहार, राधिका नगर, सुपेला, भिलाई, जिला दुर्ग, (छत्तीसगढ़)-490023 से आलोक तिवारी की ओर से प्रकाशित की जाती है, जिसका संपादन आलोक तिवारी द्वारा किया जाता है तथा इसका मुद्रण समय दर्शन प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स द्वारा प्लॉट नं. 339/6, गली नं. 02, पाटन, थाना उतई, दुर्ग, (छ.ग.)-491111 पर किया जाता है। (समाचार चयन के लिए PRP Act, 2023 के तहत संपादक जिम्मेदार है)। समस्त विवादों का निपटारा न्यायालयीन क्षेत्र दुर्ग होगा।" संपादक आलोक तिवारी, मो. 74154-69100